मध्यकालीन भारत

712-1707 ई०

Scanned by CamScanner

→ 712 ई० में मुहम्मद कासिम ने सिंध के राजा दाहिर पर आक्रमण कर उसे पराजित कर दिया।

→ यह अरबों का भारत पर पहला सफल आक्रमण था।

→ अरबियों ने "दिरहम" नामक सिक्के चलाए।

→ हमें अरब आक्रमण की जानकारी इस्माइल खाँ की पुस्तक "चचनामा" में मिलती है।

→ मुहम्मद-बिन-कासिम भारत में जजिया कर लागाने वाला पहला शासक था।

नोट:- जजिया कर को पूर्णतः समाप्त करने वाला शासक
→ मुहम्मद शाह रंगीला

⟹ तुर्क साम्राज्य ⟸ 10वीं शताब्दी

→ 932 ई० में अल्पतगीन ने तुर्की में गजनी साम्राज्य की स्थापना की।

→ अल्पतगीन का दास सुबुक्तगीन था।

→ भारत पर पहला तुर्की आक्रमण सुबुक्तगीन ने किया था।

∴ महमूद गजनवी ∴

→ इसने 1001-1027 ई० तक भारत पर 17 बार आक्रमण किया।

1001 ई० → बेहिन्द का युद्ध
→ इस युद्ध में महमूद गजनवी ने राजा जयपाल को हराया।

1006 ई०:- मुल्तान का युद्ध
→ इस युद्ध में अब्दुल-दाऊद-फतेह को हराया।

1008 ई०:- नगरकोट का युद्ध
→ इस युद्ध में महमूद गजनवी ने पहली बार हिन्दू-देवी-देवताओं की मूर्ति तोड़ी।
→ इस कारण महमूद गजनवी को मूर्ति भंजक कहा जाने लगा।

Scanned by CamScanner

1009 ई० → पेशावर का युद्ध
→ इस युद्ध मे राजा आनंदपाल को हराया।

1014 ई० → थानेसर पर आक्रमण (कुरुक्षेत्र, हरियाणा)
→ यहाँ से महमूद गजनवी महाराज चक्रस्वामी की मूर्ति ले गया

1025 ई. → सोमनाथ (गुजरात) मंदिर पर आक्रमण
→ यहाँ का शासक भीम प्रथम था

1027 ई० → जाटों के विरुद्ध आक्रमण
→ यह महमूद गजनवी का अंतिम आक्रमण था।

1030 ई० → 1030 ई० में महमूद गजनवी की मृत्यु हो गई।

→ महमूद गजनवी के साथ 4 इतिहासकार आए थे –

Trick
- F → फिरदौसी → पुस्तक → शाहनामा
- U → उत्बी → पुस्तक → तारीख-ए-यामिनी
- F → फारूखी
- A → अलबेरूनी → पुस्तक → तहकीक-ए-हिन्द या हिन्द का वर्णन

Shiv Jeet

÷ मुहम्मद गौरी ÷

→ मुहम्मद गौरी 1173 ई० मे गोर का शासक बना।
→ 1175 ई० में मुल्तान पर पहला हमला किया।
→ 1178 ई० में पाटन (गुजरात) पर आक्रमण किया।
↳ यहाँ के शासक भीम-II ने मुहम्मद गौरी को हरा दिया।

1191 ई० → तराईन (करनाल) का पहला युद्ध
↳ मुहम्मद गौरी vs पृथ्वीराज चौहान
↳ इसमे पृथ्वीराज चौहान की विजय हुई।
↳ इस युद्ध मे पृथ्वीराज चौहान का साथ राजा जयचंद, अनंगपाल व गोविन्द राय ने दिया।

Scanned by CamScanner

1192 ई० → तराइन का दूसरा युद्ध
↳ मुहम्मद गौरी vs पृथ्वीराज चौहान
↳ इस युद्ध में मुहम्मद गौरी की जीत हुई।

→ राजा जयचंद की बेटी → संयोगिता
→ पृथ्वीराज चौहान का दरबारी कवि → चन्दबरदाई
चन्दबरदाई की रचना → पृथ्वीराज रासो

1194 ई० → चन्दावर का युद्ध
→ मुहम्मद गौरी vs राजा जयचंद
→ इसमें मुहम्मद गौरी की जीत हुई

1205 ई० → खोखरों (जाटों) के विरुद्ध
→ यह मुहम्मद गौरी के जीवन का अंतिम युद्ध था।

1206 ई० → में मुहम्मद गौरी की हत्या कर दी गई

→ मुहम्मद गौरी के सिक्कों पर एक ओर माता लक्ष्मी की तस्वीर तथा दूसरी ओर कलमा खुदा हुआ था।
→ मुहम्मद गौरी का दास → कुतुबदीन ऐबक

गुलाम वंश 1206 ई० - 1290

→ गुलाम वंश को दास वंश या ममलूक वंश भी कहते हैं।

स्थापना → 1206 ई०
संस्थापक → कुतुबदीन ऐबक
राजधानी → लाहौर

निर्माण :- (i) ढाई दिन का झोपड़ा → ~~दिल्ली~~ अजमेर
(ii) कुतुब-उल-इस्लाम मस्जिद → दिल्ली
↳ इसे भारत की पहली मस्जिद माना जाता है।
(iii) कुतुबमीनार → दिल्ली
↳ इसका निर्माण कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की याद में करवाया।
↳ कुतुबद्दीन ऐबक ने इसकी नींव रखी।

Scanned by CamScanner

→ इल्तुत्मिश ने 4 मंजिलो का निर्माण करवाया
→ फिरोजशाह तुगलक ने 5वी मंजिल का निर्माण करवाया।
→ इसकी मरम्मत सिकन्दर लोदी ने करवाई।

→ कुतुबुद्दीन ऐबक का सेनापती → कुतुबुद्दीन बख्तियार खिलजी
→ कुतुबुद्दीन बख्तियार खिलजी ने नालंदा व विक्रमशीला विश्व विद्यालय को जलाया था।
→ कुतुबुद्दीन ऐबक की उपाधियाँ :- (i) लाख बक्स
(ii) हातिम द्वीतिय
(iii) कुरान खाँ
→ 1210 ई० मे पोलो (चौगान) खेलते समय घोडे से गिरकर कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु हो गई।

इल्तुत्मीश 1211 – 1236

→ इल्तुत्मिश राजा बनने से पहले "बदाँयू" का गवर्नर था।
→ इसने कुतुबमीनार के कार्य को पूरा किया।
→ इसने इक्ता प्रणाली चलाई।
→ 1215 ई० में तराईन का तीसरा युद्ध
└ इल्तुत्मिश vs यल्दोज कुबाचा
└→ इसमें इल्तुत्मिश की जीत हुई।

Shiv Jeet

→ 1229 ई० मे बगदाद के खलिफा से सुल्तान की उपाधि ली।
→ यह दिल्ली का पहला सुल्तान था।
→ इसे गुलाम वंश का ~~वास्त~~ वास्तविक संस्थापक माना जाता है।
→ इल्तुत्मिश ने चाँदी का सिक्का चलाया जिसे "टका" कहा जाता था।
→ इल्तुत्मिश ने ताँबे का सिक्का चलाया जिसे "जीतल" कहा गया।
→ इसने सर्वप्रथम दिल्ली के अमीरो का दमन किया।
→ इल्तुत्मिश ने अपनी राजधानी दिल्ली को बनाया।
→ इसने हौज-ए-सुल्तानी का निर्माण करवाया।
→ 1236 ई० में इल्तुत्मिश की मृत्यु हो गई।

Scanned by CamScanner

÷ रजिया सुल्तान ÷ 1236–40 ई०

→ रजिया सुल्तान 1236 ई० में राजगद्दी पर बैठी।
→ यह भारत की पहली व अंतिम मुस्लिम महिला शासिका थी।
→ रजिया ने मलिक ~~जा~~ जमालुद्दीन याकूत को अमिर-ए-अखुर (घोड़े का सरदार) नियुक्त किया।
→ 13 अक्तुबर 1240 को रजिया सुल्तान व अल्तुनिया की हत्या कैथल में की गई।
→ रजिया सुल्तान का मकबरा → कैथल
→ बहराम शाह ने "नायाब-ए-मामलिकात" का पद दिया।
  ↳ इसके समय में मंगोलों ने भारत पर पुनः आक्रमण किए।
→ बहराम शाह की हत्या अल्लाउद्दीन मसूद शाह ने की।
→ 1249 ई० में नसीरुद्दीन महमूद ने बलबन को उलूग खाँ की उपाधि दी।

÷ बलबन 1266–1287 ई० ÷

बचपन का नाम → बहाउद्दीन ग्यासुद्दीन बलबन
उपाधियाँ → (i) खासदास → इल्तुमिश ने दी
(ii) अमिर-ए-शिकार → रजिया सुल्तान
(iii) अमिर-ए-अखुर → बहरामशाह
(iv) नायाब-ए-मामलिकात → नसीरुद्दीन मुहम्मद
→ नसीरुद्दीन मुहम्मद एक ऐसा शासक था जो टोपी सीकर अपना जीवन निर्वाह करता था।
→ बलबन इल्तुमिश का दास था।
→ तुर्कान-ए-चिहलगामी का विनास बलबन ने किया।
→ 1266 ई० में बलबन गियासुद्दीन बलबन के नाम से दिल्ली की गद्दी पर बैठा।
→ 1265 ई० ई० में बलबन ने मे मेवातियों के खिलाफ "लोह एंव रक्त की नीति अपनाई।
→ मेवातियों ने बलबन के बेटे मोहम्मद की हत्या कर दी थी।

Scanned by CamScanner

→ बलबन ने "सिजदा" एवं "पाबोस" प्रणाली चलाई।
→ बलबन ने फारसी त्योहार "नवरोजों" की शुरुआत की।
→ बलबन के दरबार में फारसी के प्रसिद्ध कवि अमिर खुसरो एवं अमीर हसन रहते थे।
→ ~~गुलाम~~ 1287 ई० मे बलबन की मृत्यु हो जाती है।
→ गुलाम वंश का अंतिम शासक शम्सुद्दीन कैमुर्स था।

खिलजी वंश 1290-1320

Shiv
9729504909

स्थापना → 1290 ई०
संस्थापक → ~~जलाल~~ जलालुद्दीन फिरोज खिलजी
→ जलालुद्दीन फिरोज खिलजी ने किलोखेरी (ग्यासपुर UP) को अपनी राजधानी बनाया।
→ जलालुद्दीन फिरोज ~~खि~~ खिलजी की 1296 ई० में अलाउद्दीन खिलजी इसकी हत्या करदी।
→ इसका मकबरा कड़ामाणिपुर (इलाहाबाद) में है।

:- अलाउद्दीन खिलजी :- 1296-1316 ई०

→ 1296 ई० मे शासक बना।
→ इसके पास सबसे शक्तिशाली सेना थी।
→ इसने सिकंदर-ए-सानी की उपाधि ली।
→ अलाउद्दीन खिलजी के बचपन का नाम → अली
→ अमीर खुसरो इसके दरबार मे था।
↳ बचपन का नाम → मोहम्मद हसन
↳ "तोता-ए-हिन्द" कहा जाता है।
↳ इसने तबले का अविष्कार किया।
↳ रचनाएँ → लैला मजनू, तुगलकनामा
↳ साहित्य मे हिन्दी का प्रयोग करने वाला पहला साहित्यकार

Scanned by CamScanner

मलिक काफूर को हजार दिनारी कहा जाता है।
↳ यह ऐसा सेनापति जिसने सबसे ज्यादा राजाओं को मारा।
अलाउद्दीन खिलजी के समय भू-राजस्व की दर 1/2 थी।
→ अलाउद्दीन खिलजी ने "चराई कर", "गदी कर" चलाए।
→ अलाउद्दीन मवेशियों पर कर लगाने वाला पहला शासक था।
→ अलाउद्दीन खिलजी ने "सिरी (दिल्ली) को अपनी राजधानी बनाया।

निर्माण :- (i) सिरी का किला
(ii) अलाई दरवाजा
(iii) हजार खम्भा महल
(iv) हौज-ए-खास
} दिल्ली

अलाई दरवाजे को इस्लामी वास्तुकला रत्न भी कहा जाता है।

→ इसने सैनिकों का "हुलिया लिखने" व "घोड़े दागने" की प्रथा की शुरुआत की।
→ 1302 ई० में अलाउद्दीन खिलजी ने चितौड़गढ़ के राजा रत्न सिंह को हराया।
→ राजा रत्न सिंह की पत्नी → पद्मावती
↳ भाई → बादल
→ "पद्मावत" के लेखक → मलिक मुहम्मद जायसी
↳ शेरशाह के समय

1298 ई०- गुजरात विजय
↳ शासक कर्णदेव को हराया।
→ अलाउद्दीन खिलजी को कठोर बाजार नियंत्रण प्रणाली के लिए जाना जाता है।
→ अधिकारी व विभाग → (i) परवाना नवीश → परमिट जारी करने वाला
(ii) बरीद → गुप्तचर विभाग
(iii) नाकिर → नापतोल का अधिकारी
(iv) दिवान-ए-मुस्तखराज → भू-राजस्व अधिकारी

→ 1316 ई० को अलाउद्दीन खिलजी की मृत्यु हो गई।
→ खिलजी वंश के अंतिम शासक खुसरो खाँ की हत्या 1320 ई० को ग्यासुद्दीन तुगलक ने की।

Scanned by CamScanner

÷ तुगलक वंश 1320-1414ई० ÷

Shiv

संस्थापक → ग्यासुद्दीन तुगलक
↳ इसे गाजी मलिक भी कहते हैं।
→ इसने 3 सितंबर 1320 ई० को राज गद्दी ग्रहण की
→ नहरों के निर्माण का विचार सबसे पहले ग्यासुद्दीन तुगलक को आया।
→ ग्यासुद्दीन तुगलक ने दिल्ली में तुगलकाबाद बसाया।
→ इसने दिल्ली मे छप्पन कोट गेट का निर्माण रोमन शैली में करवाया।
→ इसके समय मंगोलो ने 29 बार आक्रमण किए।
→ तुगलक शासन काल मे भू राजस्व की दर 1/10 थी।

÷ मुहम्मद - बिन - तुगलक ÷

→ मुहम्मद - बिन - तुगलक 1325 ई० मे शासक बना।
→ बचपन का नाम → जौन खाँ
→ इसे " पढ़ा लिखा मूर्ख राजा " कहा जाता है।
→ इसने दिल्ली से देवगिरी तथा देवगिरी से दौलताबाद अपनी राजधानी स्थापित की।
→ इसे सांकेतिक मुद्रा का जनक कहा जाता है।
→ इसने तॉबे व चाँदी के सिक्के चलाए।
→ इसे रक्तपिपासु व स्वप्नशील राजा कहा जाता है,
→ यह हिन्दु त्योहारो को मनाया करता था।
→ 1333ई० मे मोरक्को यात्री इब्नबतूता इसी के समय मे आया।
→ इब्नबतूता की रचना → किताब-उल-हिन्द
→ किताब-उल-रेहाल

1336ई० मे हरिहर राय व बुक्का राय ने इसी के समय मे विजयनगर साम्राज्य की स्थापना की।

→ ~~विजयनगर~~ की राजधानी → हंपी थी।
विजयनगर

1347ई० → मे अलाउद्दीन बहमन ने बहमनी साम्राज्य की ~~नींव रखी~~ स्थापना की।

Scanned by CamScanner

अलाउद्दीन अजमेर की यात्रा करने वाला पहला शासक था।
↳ यह शेख अलाउद्दीन का शिष्य था।
↳ इसने दिल्ली में निजामुद्दीन औलिया की दरगाह बनवाई।
मुहम्मद-बिन-तुगलक की मृत्यु 20 मार्च 1351 ई० को हुई।

❊ फिरोजशाह तुगलक 1351-1388 ई० ❊

फिरोजशाह तुगलक का राज्याभिषेक → 23 मार्च 1351 ई०
कर प्रणाली → (i) जजिया कर → ब्राह्मणों पर जजिया कर लगाने वाला पहला शासक
(ii) जकात कर → मुस्लमानों पर धार्मिक कर
(iii) खैराज
(iv) खुम्स
इसे नहर निर्माता व नगर निर्माता कहा जाता है
इसने 300 से अधिक शहरों व 5 बड़ी नहरों तथा 50 कृत्रिम नहरों का निर्माण करवाया।
इसके शासनकाल में सबसे ज्यादा नहरों का निर्माण हुआ।

नगर :- (i) फिरोजशाह कोटला (दिल्ली)
(ii) जौनपुर → अपने चचेरे भाई की याद में
(iii) फतेहाबाद → अपने पुत्र फतेह्खान के नाम पर 1351 ई० में बसाया।
(iv) हिसार → 1354 ई० में बसाया
→ गुजरी महल का निर्माण करवाया
→ लाट की मस्जिद का निर्माण करवाया।

आत्मकथा → "फतुहात-ए-फिरोजशाही"
→ "तारीख-ए-फिरोजशाही" के लेखक → जियाउद्दीन बरनी
यह सम्राट के दोपरा अभिलेख को दिल्ली ले गया।
इसने बिक्ख नामक सिक्का चलाया जो सोने व चाँदी का मिश्रण था।
यह किसानों का ऋण माफ करने वाला पहला शासक था।
इसने ~~कुतुब~~ कुतुबमीनार की 5वीं मंजिल का निर्माण करवाया।

Scanned by CamScanner

→ 1367 ई० मे गोहाना (सोनीपत) मे इसके विरुद्ध सतनामी विद्रोह हुआ।

→ 1388 ई० मे इसकी मृत्यु हो गई।

→ तुगलक वंश का अंतिम शासक → नसीरुद्दीन मुहम्मद तुगलक (1388–1414)

→ नसीरुद्दीन मुहम्मद तुगलक के शासनकाल मे 1398 ई० मे तैमूर लंग ने आक्रमण किया।

→ तैमूर लंग ने सिरसा, फतेहाबाद, हिसार व दिल्ली पर आक्रमण किया।

सैय्यद वंश 1414–1451

Shiv Jeet
91295-04309

स्थापना → 1414 ई० में

संस्थापक → खिज्र खाँ

↳ यह तैमूर लंग का सेनापति था।

↳ यह पहला वंश था जो शिया के अनुयायी थे।

↳ 1421 ई० मे खिज्र खाँ की मृत्यु हो गई।

↳ खिज्र खाँ का मकबरा → सोनीपत

→ 1421 ई० मे मुबारकशाह राजा बना।

↳ इसके दरबार मे अहमद सरहिन्दी नामक साहित्यकार था

↳ अहमद सरहिन्दी की रचना → तारीख-ए-मुबारकशाही

→ "तारीख-ए-मुबारिकशाही" सैय्यद वंश की जानकारी देती है।

→ मुबारकशाह ने "शाह" की उपाधि ली।

↳ इसने दिल्ली मे मुबारकाबाद बसाया।

→ इस वंश का अंतिम शासक → आलमशाह

→ ~~आलमशाह की ख~~ ।

Scanned by CamScanner

❀ लोदी वंश 1451-1526 ई० ❀

स्थापना → 19 अप्रैल 1451 ई०

संस्थापक → बहलोल लोदी
- ↳ दिल्ली पर आक्रमण करने वाला पहला अफगान
- ↳ ~~क~~ इसने राजा बनते ही गाजी की उपाधि ली।

सिकंदर लोदी → 1489 ई० में राजा बना
- ↳ बचपन का नाम → निजाम खाँ
- ↳ 1504 ई० में आगरा बसाया।
- ↳ 1506 ई० में आगरा को राजधानी बनाया
- ↳ यह "गुलरुखी" शीर्षक से कविताएं लिखता था।
- ↳ "लज्जत-ए-सिकंदरी" संगीतकला का सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ था।
- ↳ कबीरदास इनके समकालीन थे।
- ↳ गुरु जम्भेश्वर भी इनके समकालीन थे।
- ↳ इसने संस्कृत के आयुर्वेद का फारसी में अनुवाद करवाया।
- ↳ इसने मोठ की मस्जिद का निर्माण करवाया
- ↳ इसने भूमि मापने के लिए "गज-ए-सिकंदरी" चलाया।
- ↳ 21 नवंबर 1517 को मृत्यु हो गई।

इब्राहिम लोदी - 1517-1526 ई०
- ↳ यह लोदी वंश का अंतिम शासक था।
- ↳ इसको राणा सांगा ने खातोली के युद्ध में हराया।
- ↳ 21 अप्रैल 1526 को पानीपत का पहला युद्ध
  - ↳ बाबर vs इब्राहिम लोदी (हार)
- ↳ इस युद्ध में बाबर ने तोप का प्रयोग किया
- ↳ इब्राहिम लोदी का मकबरा पानीपत में है।
- ↳ इस युद्ध के साथ लोदी वंश समाप्त हो गया तथा भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना हुई।

Scanned by CamScanner

मुगल काल

संस्थापक → बाबर

स्थापना → 1526 ई०

Shiv Jeet
97295-04907

÷ बाबर ÷

→ बाबर का जन्म → 1483 ई० को हुआ
→ 1504 ई० में काबुल जीता
→ बाबर ने पद-पादशाही की स्थापना की, जिसके तहत शासक को बादशाह कहा जाता है।
→ बाबर ने भारत पर 5 बार आक्रमण किया।
→ बाबर ने भारत पर पहली बार 1519 ई० में आक्रमण किया। यह आक्रमण बंजौर व भैरा की युसुफजाई जाति पर किया था

1526 :- 21 अप्रैल 1526 ई० का पानीपत का पहला युद्ध हुआ।
→ यह युद्ध बाबर व इब्राहिम लोदी के बीच हुआ।
→ इस युद्ध मे बाबर की जीत हुई तथा दिल्ली सलतनत की हार।
→ इस युद्ध मे बाबर ने पहली बार तुगलमा युद्ध नीति एवं तोपखाने का प्रयोग किया।
→ इसी युद्ध के पश्चात् भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना हुई।

1527 :- खानवा का युद्ध
→ यह युद्ध बाबर व राणा सांगा के बीच हुआ
→ इसमें भी बाबर विजयी रहा।
→ इस युद्ध के बाद बाबर ने "गाजी" की उपाधि धारण की।

1528 :- चन्देरी का युद्ध
→ बाबर vs मेदनीराय
→ बाबर विजयी रहा

Scanned by CamScanner

1529 :- घाघरा का युद्ध (बिहार)
→ बाबर vs ~~उस~~ उसरतशाह + महमूद लोदी
→ इसमें भी बाबर विजयी रहा।

29 December 1530 को बाबर की मृत्यु हो गई।
→ पहले इसे आगरा में नूर-ए-अफगान बाग या ~~आराम~~ आराम बाग में दफनाया गया। बाद में काबुल में उसकी चुनी हुई जगह पर दफनाया गया।

मकबरा → बाबर का मकबरा काबुल में बनाया गया है।

आत्मकथा - बाबरनामा → लेखक बाबर
↳ भाषा → तुर्की
→ "बाबरनामा" जिसे "तुजुक-ए-बाबरी" (तुर्की) भाषा में थी इसका अब्दुर्रहीम-खान-ए-खाना ने फारसी भाषा में अनुवाद किया।
→ बाबर को अपनी उदारता के लिए कलन्दर की उपाधि दी गई।
→ इब्राहिम लोदी मध्यकाल काल का प्रथम शासक था जो युद्धस्थल पर मारा गया।
→ बाबर को मुबईयान नामक पद्यशैली का जन्मदाता माना जाता है,

निर्माण :- (i) काबुली बाग मस्जिद
↳ पानीपत
↳ मुगलों द्वारा बनाई जाने वाली पहली मस्जिद

(ii) बाबरी मस्जिद
↳ आयोध्या में सरयू नदी के किनारे
↳ इसका निर्माण बाबर के सेनापति मीर बाँकी ने करवाया।

Scanned by CamScanner

÷ हुमायूँ 1530-1540, 1555-1556 ÷

जन्म:- 1508 ई० में काबुल में हुआ

→ हुमायूँ के साम्राज्य के दो प्रसिद्ध शहर → दिल्ली व आगरा

→ 1533 ई० में हुमायूँ ने दीनपनाह नामक नए नगर की स्थापना की।

चौसा का युद्ध:- 25 जून 1539 को चौसा का युद्ध हुआ।

→ हुमायूँ vs शेरखाँ (शेरशाह सूरी)

→ इस युद्ध में शेरखाँ की जीत हुई।

→ चौसा ~~###~~ गंगा नदी के किनारे है।

→ इस युद्ध के बाद शेरखाँ ने शेरशाह की पदवी ग्रहण की।

→ हुमायूँ के शासन में चमड़े के सिक्के चलाए।

कन्नौज या बिलग्राम का युद्ध (UP) →

→ 1540 ई० में कन्नौज या बिलग्राम का युद्ध हुआ

→ हुमायूँ vs शेरशाह

→ इस युद्ध में भी शेरशाह की जीत हुई। और शेरशाह ने दिल्ली व आगरा पर कब्जा कर लिया।

1541 ई० → हुमायूँ ने हमिदा बानो बेगम से विवाह किया।

1542 ई० → अकबर का जन्म अमरकोट (पाकिस्तान) में राणा वीरशाल के महल में हुआ

मई 1555 → मच्छीवाड़ा (पंजाब) का युद्ध

→ हुमायूँ vs नसीब खाँ

→ इसमें हुमायूँ की जीत हुई।

जून 1555 → सरहिन्द का युद्ध

→ हुमायूँ vs सिकंदर सूर

→ इसमें हुमायूँ की विजय हुई तथा भारत में पुनः मुगल साम्राज्य की स्थापना हुई।

Scanned by CamScanner

1556 ई० :- हुमायूँ की मृत्यु 1556 ई० मे उसी के बनाए दीनपनाह भवन, जिसे पुराना किला भी कहा जाता है। मे सिढ़ीयों से गिरकर हो गई।

→ पुराना किला दिल्ली मे है।

हुमायुँ द्वारा लड़े. गए प्रमुख युद्ध :-

(i) देवरा युद्ध → 1531 ई०
(ii) चौसा युद्ध → 1539 ई०
(iii) बिलग्राम युद्ध → 1540 ई०
(iv) मच्छीवाड़ा युद्ध → मई 1555 ई०
(v) सरहिन्द युद्ध → जून 1556 ई०

→ हुमायूँ की मस्जिद → फतेहाबाद (हरियाणा)
→ हुमायूँ का मकबरा → दिल्ली → हाजी बेगम ने बनवाया
→ हुमायूँ की जीवनी → हुमायूँनामा (तुर्की भाषा)
   ↳ लेखक → गुलबदन बेगम
→ दिल्ली मे मीना बाजार हुमायूँ ने शुरू किया।
→ हुमायूँ हर दिन अलग रंग के कपडे. पहने वाला शासक था।

Shiv Jeet
9725504509

सूर वंश :- 1540-1555 ई.

संस्थापक → शेरशाह सूरी (1540-45)
- ↳ जन्म → 1472 ई.
- ↳ मृत्यु → कालिंजर के किले मे बारूद फटने से 1545
- ↳ बचपन का नाम → फरीद खाँ

→ उस तोप का नाम जिसके कारण मृत्यु हुई → "उक्का"

→ शेरशाह सूरी बिलग्राम युद्ध 1540 के बाद दिल्ली की गद्दी पर बैठा।

→ शेरशाह सूरी का मकबरा → सासाराम (बिहार)

→ अलेक्जेंडर कनिंघम ने इसे ताजमहल से सुन्दर कहा है।

→ शेरशाह सूरी की जीवनी → तारीख-ए-शेरशाही (फारसी)
- ↳ लेखक → अब्बास शेरवानी

निर्माण :- (i) पुराना किला - दिल्ली
(ii) किला-ए-कुहना मस्जिद → दिल्ली
(iii) रोहताशगढ़ किला → बिहार
(iv) शेरशाह सूरी मार्ग → GT रोड
- ↳ इस मार्ग को GT रोड का नाम आकलैंड ने दिया
- ↳ यह मार्ग सोनार से पेशावर तक है
- ↳ भारत में अमृतसर से कलकत्ता तक

→ शेरशाह सूरी ने सिकन्दरी गज एवं सन की डंडी का प्रयोग किया।

→ कबूलियत एवं पट्टा प्रथा की शुरुआत की।

→ शेरशाह ने 1541 ई. में पाटलीपुत्र को पटना के नाम से पुन स्थापित किया।

→ मलिक मुहम्मद जायसी इन्हीं के समकालीन थे।

→ रुपये का प्रचलन शेरशाह सूरी ने शुरु किया। यह चाँदी के बने होते थे।

→ शेरशाह सूरी ने डाक प्रथा का प्रचलन शुरु किया।

Scanned by CamScanner

: अकबर 1556-1605 :

राज्याभिषेक → अकबर का राज्याभिषेक 14 फरवरी 1556 को मात्र 13 वर्ष की आयु मे कलानौर मे हुआ।

बचपन का नाम → जलाल

→ अकबर जलालुद्दीन मुहम्मद अकबर बादशाही गाजी के उपाधी से राजसिंहासन पर बैठा

→ अकबर का संरक्षक → बैरम खाँ

पानीपत की दूसरी लड़ाई → 5 नवम्बर 1556 को पानीपत की दूसरी लड़ाई हुई।

→ अकबर VS हेमू

→ बैरम खाँ ने अकबर की सेना का नेतृत्व किया।

→ इसमें अकबर की विजय हुई।

हेमू → पूरा नाम हेमचन्द्र विक्रमादित्य था।

→ यह रेवाड़ी का शासक था।

→ पहले यह मोहम्मद आदिलशाह की सेना का सेनापति था।

→ हेमू दिल्ली की गद्दी पर बैठने वाला पहला शासक था।

→ यह 14वाँ व अंतिम विक्रमादित्य था।

1562 ई० → आमेर के राजा भारमल ने अकबर की गुलामी स्वीकार की।

→ यह पहला राजपुत था जिसने मुगलों की गुलामी स्वीकार की।

→ भारमल कछवाहा वंश से था।

→ राजा भारमल की बेटी हरकाबाई की अकबर से शादी हुई। जिसे बाद मे अकबर ने मरियम-उज-जमानी नाम दिया।

1567 ई० :- चितौड़ का युद्ध

Shiv Jeet

→ अकबर VS उदय सिंह

→ उदय सिंह के सेनापति जयमल व फत्ता ने इस युद्ध का नेतृत्व किया

Scanned by CamScanner

1571 ई०:- गुजरात विजय

→ अकबर vs मुजफ्फर खाँ III

→ गुजरात विजय के बाद अकबर पहली बार पुर्तगालियों से मिला

→ गुजरात विजय के बाद ही अकबर ने पहली बार समुद्र देखा।

1576 ई०→ हल्दी घाटी का युद्ध

→ अकबर vs महाराणा प्रताप

→ अकबर की सेना का नेतृत्व मानसिंह ने किया।।

→ महाराणा प्रताप मेवाड़ का शासक था तथा सिसोदिया वंश से संबंध रखता था।

→ महाराणा प्रताप के घोड़े चेतक की मृत्यु हल्दी घाटी के युद्ध में हुई।

1601 ई०:- आसीरगढ़ पर आक्रमण

→ अकबर vs मीरन बहादुर

→ असीरगढ़ के किले को दक्षिण द्वार कहते हैं जो मध्यप्रदेश में है।

1605 ई०→ अकबर की फतेहपुर सिकरी में मृत्यु हो गई।

जीवनी:- अकबरनामा अथवा आइन-ए-अकबरी

↳ लेखक → अबुल फजल

Shiv Jeet

→ अकबर के नवरत्न →

(i) फैजी → फारसी का विद्वान

(ii) अबुल फजल → फारसी का विद्वान व सेनानायक

(iii) तानसेन → संगीतकार

(iv) बीरबल → सलाहकार

(v) अब्दुर्रहीम खाने-खाना → कवि व सैनानायक

(vi) टोडरमल → वितमंत्री, भू राजस्व सुधारक

(vii) हकीम हुमाम (मुल्ला दो प्याजा) → शाही रसोई घर का प्रधान

(viii) फकीर ~~अजाउ~~ अजिउद्दीन → प्रशासनिक सलाहकार

(ix) मानसिंह → → राजपूत सेनापति

Scanned by CamScanner

→ तानसेन का वास्तविक नाम → रामतनु पांडे
→ बीरबल का वास्तविक नाम → महेशदास

अकबर के समकालीन व्यक्ति →

(i) सूरदास → रचना → सूरसागर
(ii) तुलसीदास → रचना → रामचरितमानस (अवधी भाषा)
(iii) अमरदास सिक्खों के तीसरे गुरु
(iv) रामदास " " चौथे " → अमृतसर की नींव रखी
(v) बैजबावंरा → संगीतकार
(vi) शेख सलीम चिश्ती
(vii) हरिविजय सूरी → जैन साधू
(viii) ख्वाजा अब्बुसमद → चित्रकार
↳ शिरी कलम की उपाधि से सम्मानित
(ix) मोहम्मद हुसैन कश्मीरी → चित्रकार
↳ जरी कलम की उपाधि से सम्मानित

Note: अनारकली का मकबरा लाहौर मे है।
→ अकबर का मकबरा सिकन्दरा मे है।

निर्माण :- (i) आगरा का किला
(ii) इलाहाबाद का किला
(iii) लाहौर का किला
(iv) फतेहपुर सिकरी → 1571 ई० मे इसे राजधानी बनाया
(v) पंचमहल → फतेहपुर सिकरी (UP)
(vi) दीवाने आम या दीवान-ए-खास
(vii) तुर्की सुल्तान कोठी
(viii) शेख सलीम चिश्ती का मकबरा
(ix) बुलंद दरवाजा → गुजरात विजय की याद मे 1602 मे बना

→ प्रमुख घटनाएँ →

1. 1562 → दास प्रथा का अंत
2. 1563 → तीर्थकर का अंत
3. 1564 → जजिया कर का अंत
4. 1567 → मनसबदारी प्रथा
5. 1575 → इबादतखाना की स्थापना (फतेहपुर सिकरी)

Scanned by CamScanner

6 1575 ई० → सभी धर्मों के लिए इबादत खाना खोला गया
7 1579 ई० → महजरनामा की घोषणा
8 1583 ई० → दीन-ए-इलाही धर्म की स्थापना
→ दीन-ए-इलाही सम्वत् शुरू किया
→ दीन-ए-इलाही धर्म का पहला प्रधान
→ अबुल फजल
→ दीन-ए-इलाही धर्म को मानने वाला पहला हिन्दू → बीरबल
9. 1580 ई० → आइन-ए-दहसाला (लागू)
10. 1605 ई० → में अकबर की मृत्यु हो गई।

महत्वपूर्ण तथ्य :-

→ पंचतंत्र का फारसी में अनुवाद अबुल फजल ने "अनवर-ए-सादात" नाम से किया।
→ अकबर के काल को हिन्दी साहित्य का स्वर्णकाल कहा जाता है।
→ चार बाग बनाने की परंपरा अकबर के समय शुरू हुई।
→ अकबर नगाड़ा (नक्कारी) वाद्य यंत्र बजाता था।
→ मुगलों की राजकीय भाषा फारसी थी।

Shir Jeet

Scanned by CamScanner

÷ जहाँगीर 1605-1627 ई० ÷

जन्म :- 1569 ई० शेख सलीम चिश्ती की कुटिया फतेहपुर सिकरी में हुआ।

बचपन का नाम → सलीम

राज्याभिषेक → 1605 ई० में आगरा में हुआ

विवाह :- 1585 ई० में आमेर के राजा भगवानदास की पुत्री तथा मानसिंह की बहन मानबाई से हुआ।

→ 1611 ई० में जहाँगीर ने मेहरूनिशा से विवाह किया, जिसे नूरमहल, "नूरजहाँ" भी कहा जाता है।

भेरवाल युद्ध → 1606 ई० में जहाँगीर व उसके पुत्र खुसरो के बीच हुआ

→ खुसरो का समर्थन करने के लिए सिक्खों के 5वें गुरू अर्जुनदेव को फाँसी दी।

→ जहाँगीर के शासनकाल में इंग्लैण्ड के सम्राट जेम्स प्रथम ने कप्तान हॉकिन्स को 1608 ई० में भारत भेजा। यह सबसे पहले सुरत बंदरगाह पर आया।

→ जहाँगीर ने निसार नामक सिक्के चलाए।

→ जहाँगीर ने अबुल फज़ल की हत्या करवाई।

→ जहाँगीर ने न्याय की जंजीर (घंटी) आगरा में लगवाई।

→ जहाँगीर के शासनकाल को चित्रकला का स्वर्ण युग कहा जाता है।

→ उस समय मशहुर चित्रकार उस्ताद मसूद थे।

→ जहाँगीर को संगीत प्रेमी व चित्रकार प्रेमी भी कहा जाता है।

→ जहाँगीर ने विलियम हॉकीन्स को अंग्रेज खाँ की उपाधि दी।

→ जहाँगीर की मृत्यु भीम्बर (POK) में 1627 ई० को हुई।

→ जहाँगीर का मकबरा → शाहदरा (लाहौर रावि नदी के किनारे)

↳ निर्माण → नूरजहाँ

तम्बाकू पर प्रतिबंध जहाँगीर ने लगाया।

Scanned by CamScanner

आत्मकथा :- "तुजुक-ए-जहाँगीरी" → फारसी भाषा
→ लेखक - जहाँगीर

→ वनस्पति, पेड़-पौधों, फल-फूल व वन्य जीवों का प्रेमी जहाँगीर था।

निर्माण :- (i) शालीमार बाग (कश्मीर)
(ii) कश्मीर बसाया

Shiv Jeet

: शाहजहाँ 1627 - 1657 : 97295 04909

राज्याभिषेक → 1628 ई० में आगरा

→ वास्तविक नाम → खुर्रम

→ शाहजहाँ की शादी 1612 ई० मे अंजुमंद बानो बेगम (मुमताज महल) से हुई।

→ 1628-31 ई० मे खानेजहाँ लोदी ने बहादुरपुर मे विद्रोह कर दिया।

→ सबसे बड़ी बेटी → जहाँआरा
→ सबसे अंतिम → मोहन आरा

निर्माण :- (i) ताजमहल → आगरा मे यमुना के किनारे
→ 1632 से 1653 ई० के बीच बनकर तैयार हुआ
→ नक्शानवीश → उस्ताद इशा खाँ
→ मिस्त्री → उस्ताद अहमद लाहौरी
→ ताजमहल पर कुरान की आयतें लिखी है।
→ ताजमहल के 4 खंभे 6° बाहर की ओर झुके है।

(ii) नगीना मस्जिद → आगरा
(iii) मोती मस्जिद → आगरा
(iv) जामा मस्जिद → दिल्ली
(v) लाल किला → दिल्ली
(vi) चाँदनी चौक → दिल्ली

Scanned by CamScanner

→ शाहजहाँ के शासनकाल को निर्माण व वास्तुकला का स्वर्ण युग कहा जाता है।
→ दिल्ली की मोती मस्जिद औरंगजेब ने बनवाई
→ आगरा की जामा मस्जिद जहाँआरा ने बनवाई।
→ शाहजहाँनाबाद नगर → दिल्ली
→ शाहजहाँ अपनी राजधानी आगरा से दिल्ली ले जाने वाला पहला ~~मुग~~ मुगल बादशाह था।
→ म्यूर सिंहासन (तख्त-ए-ताऊस) का निर्माण शाहजहाँ ने करवाया।
↳ निर्माता → बेबादल खाँ
→ म्यूर सिंहासन का दिवान-ए-आम किले मे रखा गया।

विदेशी यात्री →

(i) बर्नियर → फ्रेंच यात्री → पेशेवर चिकित्सक था।
→ यह भारत आने के बाद वापिस नही गया।
(ii) ट्रेवर्नियर → फ्रेंच यात्री → यह 6 बार भारत आया।
(iii) मनुची → वेनिश (इटली यात्री)

→ 1658 ई० में औरंगजेब ने शाहजहाँ को आगरा किले मे कैद कर लिया था।
→ 1666 ई० मे शाहजहाँ की मृत्यु हो गई।
→ कैद मे 8 साल तक शाहजहाँ की सेवा जहाँआरा ने की।
→ शाहजहाँ का मकबरा → ताजमहल (आगरा)
जीवनी → पादशाहनामा (फारसी)
↳ लेखक → अब्दुल हमिद लाहोरी

Scanned by CamScanner

÷ औरंगजेब 1658–1707 ई० ÷

1658 → आगरा मे राज्यभिषेक]— दो बार राज्यभिषेक होने वाला
1659 → दिल्ली मे राज्यभिषेक   मुगल शासक

देवराई युद्ध → UP → 1659 औरंगजेब व दाराशिकोह के बीच हुआ।

→ दाराशिकोह को छोटा अकबर भी कहा जाता है।
→ दाराशिकोह ने गीता तथा 52 उपनिषदों का फारसी मे अनुवाद करवाया।
→ औरंगजेब का मकबरा → दौलताबाद (महाराष्ट्र)

1663 ई०ः मे सती प्रथा पर रोक लगा दी।

औरंगजेब के अन्य नाम → जिन्दा पीर, आलमगीर, शाही दरवेश
उपाधि → आलमगीर

1668 ई० → में हिन्दू मन्दिर तोडे.   9729505909
1669 ई० → में हिन्दू त्योहारों पर रोक

हिन्दू मन्दिर
- केशवनाथ मंदिर (मथुरा)
- सोमनाथ मंदिर (गुजरात)
- काशी विश्वनाथ मंदिर उत्तर प्रदेश

→ औरंगजेब ने झरोखा दर्शन व तुलादान प्रथा बंद की।
→ 1679 ई० में जजिया कर पुनः लगाया।

विवाह :- औरंगजेब का विवाह रबिया दुर्रानी (दिलरास बानो बेगम) से हुआ।
1637 ई

→ रबिया दुर्रानी की मृत्यु के बाद औरंगजेब ने औरंगाबाद मे बीबी का मकबरा बनवाया।
→ इसे काला ताजमहल, दूसरा ताज व दक्षिण का ताज भी कहते हैं।

Scanned by CamScanner

औरंगजेब के निर्माण → (i) मोती मस्जिद (लाल किले के अन्दर)
(ii) बादशाही मस्जिद (लाहौर किले में)

→ संगीत व चित्रकला से नफरत करने वाला → औरंगजेब
→ औरंगजेब एक अच्छा वीणा वादक था।
→ औरंगजेब सबसे शक्तिशाली मुगल शासक था।
→ औरंगजेब के दरबार में सबसे ज्यादा हिन्दू मनसबदार या दरबारी थे।

विद्रोह → 1669 ई० जाटों का विद्रोह vs औरंगजेब
↳ नेतृत्व → गोकुला जाट

1680 ई० → जाट vs औरंगजेब
↳ नेतृत्व → राजाराम

→ 1675 ई० सिक्खों का विद्रोह
↳ नौवें गुरु तेग बहादुर की हत्या के कारण

→ ऐसा मुगल शासक जिसे दफनाया भी गया और जलाया भी गया → अकबर

→ 13 अप्रैल 1699 ई० को गुरुगोविन्द सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की।

÷ बहादुरशाह I 1707-1712 ÷

उपाधि → शाहआलम

वास्तविक नाम → मुअज्जम

अन्य नाम → शाह-ए-बेखबर → 63 वर्ष की आयु में राजा बना

÷ जहांदार शाह ÷ 1712-13

→ इसे सम्पूर्ण मूर्ख या लम्पट मूर्ख कहा जाता है।
→ लाल कुंवर नामक ~~नर्तकी~~ नर्तकी इसी के दरबार में थी।

Scanned by CamScanner

÷ फर्रुखशियर 1713-16 ई. ÷

→ इसे कायर राजा कहा जाता है।
→ 1713 ई० मे इसने अंग्रेजों को बंगाल मे करमुक्त व्यापार की आज्ञा दी (यानी चुंगी कर माफ कर दिए)
→ "दस्तक पत्र" अंग्रेजों को व्यापार का आज्ञापत्र था।

÷ रफी-उद्-दरजात 28 Feb - 4 June 1719 ÷

→ सबसे कम समय का शासक

÷ रफी-उद्-दौला ÷

Shiv Jeet

→ उपाधि → शाहजहाँ II

÷ मुहम्मद शाह रंगीला 1719-48 ÷

→ वास्तविक नाम → रोशन अख्तर

1739 ई० करनाल का युद्ध →

नादिरशाह vs रंगीला की सेना + बाल किशन राव
→ इस युद्ध मे नादिरशाह जीत गया। तथा अपने साथ मयूर सिंहासन व कोहिनूर हीरा ले गया
→ नादिरशाह को ईरान का नेपोलियन कहा जाता है।
→ मयूर सिंहासन पर बैठने वाला अंतिम मुगल → मुहम्मदशाह रंगीला

÷ आलमगीर II 1754-58 ÷

वास्तविक नाम → अजीजुद्दीन
प्लासी का युद्ध → 23 जून 1757 को इसी के समय मे हुआ

÷ शाहजहाँ III 1758-59 ÷

वास्तविक नाम → मिही-उल-मिल्लत

Scanned by CamScanner

शाहआलम II : 1759- 1806

→ पानीपत की तीसरी लड़ाई → 1761 ई० (इसी के शासनकाल में हुई)

↳ अहमदशाह अब्दाली VS मराठा

→ यह पहले तो अंग्रेजों का वेतनभोगी रहा और बाद मे मराठों का पेंशनभोगी रहा।

→ एतमद-उद-दौला का मकबरा आगरा में नूरजहां ने बनवाया।

→ यह अंधा मुगल सम्राट था।

अकबर II 1806-1837

→ इसने राजा राम मोहनराय को "राजा" की उपाधी दी

बहादुरशाह जफर II 1837-57 ई०

→ यह मिर्जा गालिब का समकालीन था।

→ इसी के शासनकाल मे 1857 की क्रांति हुई।

→ 21 सितंबर 1857 को हडसन ने बहादुर शाह II को गिरफ्तार करके रंगून (बर्मा) जेल भेज दिया।

→ बहादुरशाह II की मृत्यु 1862 ई० मे हुई।

→ यह अंतिम मुगल सम्राट था

→ लाल किले मे स्थित हीरा महल बहादुरशाह जफर ने बनवाया।

[तानसेन के गुरु → शाह मुहम्मद गौस]

÷ मराठा साम्राज्य ÷

संस्थापक → शिवाजी

जन्म → 6 अप्रैल 1627 ई० मे शिवनेर दुर्ग

पिता → शाहजी भौंसले

माता → जीजाबाई

गुरु → कोंडदेव

आध्यात्मिक गुरु → गुरु रामदास

Shiv Jeet

→ 1640 ई० मे शिवाजी का विवाह ~~साल~~ साइबाई निम्बालकर से हुआ।

→ 1656 ई० मे शिवाजी ने रायगढ़ को अपनी राजधानी बनाया।

पुरन्दर की संधि → 1665 ई० मे महाराजा जयसिंह व शिवाजी के मध्य हुई।

→ शिवाजी को औरंगजेब ने मई 1666 ई० मे जयपुर भवन मे कैद कर लिया।

→ 3 अप्रैल 1680 ई० मे शिवाजी की मृत्यु हो गई।

→ शिवाजी के मंत्रीमंडल को अष्टप्रधान कहा जाता है।

→ शिवाजी के दरबार की राजकीय भाषा → मराठी

→ शिवाजी ने भूमि मापने के लिए काठी एवं मानक का प्रयोग किया।

→ चौथ एवं सरदेशमुखी - नामक कर शिवाजी ने लगाए।

→ शिवाजी का उत्तराधिकारी शम्भाजी था।

→ शम्भाजी के बाद 1689 ई० मे राजाराम को नया छत्रपति के रूप मे राज्याभिषेक किया।

→ राजा राम ने अपनी दूसरी राजधानी सतारा को बनाया।

→ राजाराम की मृत्यु के बाद उसकी पत्नी ताराबाई ताराबाई अपने 4 वर्षीय पुत्र का राज्याभिषेक करवाकर मराठा साम्राज्य की संरक्षिका बन गई।

Scanned by CamScanner

खेड़ा का युद्ध → साहू एवं ताराबाई का युद्ध 1707 ई० मे हुआ

→ दिल्ली पर आक्रमण करने वाला प्रथम पेशवा बाजीराव प्रथम था।

→ बाजीराव प्रथम मस्तानी नामक महिला के कारण चर्चा मे रहा।

→ बालाजी बाजीराव को नाना साहब के नाम से जाना जाता है।

सालबी संधि → हैदराबाद के निजाम व बालाजी बाजीराव के मध्य हुई।

→ बालाजी बाजीराव के समय ही पानीपत का तृतीय युद्ध 14 जनवरी 1761 ई० हुआ। इसमे मराठो की हार हुई।

→ अंतिम मराठा पेशवा बाजीराव-II था।

* प्रथम आंग्ल मराठा युद्ध → 1782 ई० → सालबाई संधि से खत्म
* द्वितीय आंग्ल मराठा युद्ध → 1803-05 ई० → देवगांव की संधि से
* तृतीय आंग्ल मराठा युद्ध → 1817-19 ई०

Scanned by CamScanner

÷ विजयनगर साम्राज्य ÷

संस्थापक → हरिहर राय व बुक्का राय

स्थापना → 1336 ई.

राजधानी → हंपी

Shiv Geet

विभिन्न वंश → (i) संगम वंश (1336-1485)
(ii) सुलुव वंश (1485-1505)
(iii) तुलुव वंश (1505-1565)
(iv) अरविडु वंश (1570 - सत्रहवीं सदी)

÷ संगम वंश ÷ 1336-1485

→ इसकी स्थापना 1336 में हरिहर व बुक्का राय ने की।
→ हरिहर II विजयनगर का प्रथम शासक था जिसने महाराजाधिराज की उपाधि ली।
→ बुक्का I ने वेदमार्ग प्रतिष्ठापक की उपाधि धारण की।
→ देवराय I ने तुंगभद्रा व हरिद्रा नदी पर बाँध बनाकर नहरें निकाली
→ देवराय II के दरबार में श्रीनाथ रहते थे जिसने "हरविलासम्" की रचना की।
→ विरूपाक्ष-II संगम वंश का अंतिम शासक है।
→ संगम वंश का सबसे प्रतापी शासक देवराय द्वितीय था। इसे इम्माडिदेवराय भी कहा जाता था।
→ देवराय-II की रचनाएं → महानाटक सुधानिधी, ब्रह्मसूत्र } संस्कृत

÷ सुलुव वंश ÷ 1485-1505

संस्थापक → सालुव नरसिंह

→ सालुव नरसिंह की मृत्यु के बाद इम्मादि नरसिंह गद्दी पर बैठा। इसका संरक्षक नरसा नायक था।

Scanned by CamScanner

÷ तुलुव वंश ÷ 1505-1565

संस्थापक → वीर नरसिंह

→ तुलुव वंश का सबसे महान शासक कृष्णदेवराय था।

→ बाबर ने अपनी आत्मकथा "बाबरनामा" में कृष्णदेव राय को भारत का सबसे शक्तिशाली शासक बताया है।

→ कृष्णदेव राय की उपाधियां → अभिनव भोज, आंध्र भोज, यवनराज आदि।

→ कृष्णदेव राय के शासनकाल को तेलगू साहित्य का "क्लासिक युग" कहा जाता है।

→ कृष्णदेवराय की रचनाएं → (i) अमुक्तमाल्यद → तेलगू भाषा
(ii) जाम्बवती कल्याणम → संस्कृत भाषा

→ तुलुव वंश का अंतिम शासक → सदाशिव

→ राक्षसी तांगड़ी / तालिकोटा / बन्नीहट्टी का युद्ध → 23 जनवरी 1565
विजयनगर VS अहमदनगर + बीजापुर + गोलकुंडा + बीदर

→ विजयनगर साम्राज्य में भू-राजस्व 1/6 भाग था।

→ विजनगर की मुद्रा → पेगोडा

Scanned by CamScanner

÷ ~~बहमनी~~ बहमनी साम्राज्य ÷

→ बहमनी साम्राज्य की स्थापना मुहम्मद-बिन-तुगलक के शासनकाल में 1347 ई० में हसनगंगू ने की।
→ हसनगंगू अलाउद्दीन हसन बहमनशाह के नाम से सिंहासन पर बैठा।
→ इसने अपनी राजधानी गुलबर्गा को बनाया।
→ इसकी राजभाषा मराठी थी।
→ भीमा नदी के तट पर फिरोजाबाद की स्थापना ताज-उद्दीन-फिरोज ने की।
→ शिहाबुद्दीन ने अपनी राजधानी बीदर में स्थापित की। बीदर का नाम बदलकर मुहम्मदाबाद रखा।
→ कलीमउल्लाह बहमनी वंश का अंतिम शासक था।

÷ सूफी आन्दोलन ÷

→ जो लोग सूफी संतों से शिक्षा ग्रहण करते थे, उन्हें मुरीद कहा जाता था।
→ भारत में चिश्ती सिलसिले की शुरुआत ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती ने की
→ चिश्ती सिलसिले का मुख्य केन्द्र अजमेर था।
→ बाबा फरीद की रचनाएँ गुरुग्रंथ साहिब में संकलित है।
→ ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी मुइनुद्दीन चिश्ती के शिष्य थे।
↳ इन्ही की याद में कुतुबुद्दीन ऐबक ने कुतुबमीनार बनवाई।
→ निजामुद्दीन औलिया की दरगाह दिल्ली में है।
→ निजामुद्दीन औलिया ने अमीर खुसरो को तुर्कल्लाह की उपाधि दी।
→ शेख शिहाबुद्दीन उमर सुहरावर्दी ने सुहरावर्दी सिलसिले की स्थापना की।
→ सैय्यद अब्दुल कादिर जिलानी ने कादिरि सिलसीले की शुरुआत की।
→ भारत में इस सिलसिले के प्रवर्तक मुहम्मद गौस थे।
→ शेख अब्दुल्ला सतारी ने सतारी सिलसिले की शुरुआत की।

Scanned by CamScanner

÷ भक्ति आन्दोलन ÷

→ भक्ति का पहला उल्लेख श्वेताश्वतर उपनिषद् में है।
→ छठी शताब्दी में भक्ति आंदोलन की शुरुआत तमिल क्षेत्र से हुई जो कर्नाटक व महाराष्ट्र में फैल गई।
→ दक्षिण भारत में जनक्रिय आंदोलन के रूप में अलवार व नायनार संतों के द्वारा भक्ति आंदोलन प्रारंभ हुआ।
→ भक्तिआंदोलन को दक्षिण भारत से उत्तरभारत में रामानन्द द्वारा लाया गया।
→ सगुण सम्प्रदाय के प्रमुख कवि → तुलसीदास, नाभादास → राम भक्त
निम्बार्क, वल्लभार्च, चैतन्य, सूरदास व मीरा बाई — कृष्ण भक्त
→ निर्गुण सम्प्रदाय → कबीर

Shiv Jeet
97295-04909

Scanned by CamScanner

÷ भारत में विदेशी कंपनीयों का आगमन →

→ कोलंबस (स्पेन) एक नाविक था। जो इटली का मूल निवासी था। उसने 1492 ई० में अमेरिका की खोज की तथा वहाँ के लोगो को Red Indian बोला।

→ भारत मे कंपनियों का आगमन →

(i) पुर्तगाली – 1498 – 1961
(ii) अंग्रेज → 1600 – 1947
(iii) डच → 1602 ई०
(iv) डेनिश → 1616 ई०
(v) फ्रांसिसी → 1664 ई०
(vi) स्वीडिश → 1731 – 1813 ई०

Shiv Jeet

÷ पुर्तगाली 1498 – 1961 ÷

→ वास्को डि-गामा 1498 ई० मे Cap of Good Hope से होते हुए केरल के कालीकट पहुँचा।

→ वास्को-डि-गामा Sao Gabriel नामक जहाज से 90 दिनों की यात्रा के बाद भारत पहुँचा।

→ वास्को-डि-गामा का कालीकट के राजा जमोरिन ने स्वागत किया

→ यह 3 बार भारत आया → 1498 → कालीकट
1502 > कोचिन
1524 >

→ यह अपने साथ काली मिर्च व मसाले लेकर गया।

→ पुर्तगालियों ने अपनी पहली फैक्ट्री 1503 ई० मे कोच्चिन मे लगाई।

→ पुर्तगालियों का पहला गवर्नर → डी अल्मीडा
" " दूसरा " → डी अल्बुकर्क

→ डी अल्मीडा ने अरबों को हराकर अरब सागर छीन लिया इसे Blue Water Policy कहते हैं।

Scanned by CamScanner

1509 ई०- 1509 ई० मे पुर्तगालियो ने कोचिन को राजधानी बनाया।

1510 ई०→ 1510 ई० मे डी अल्बुकर्क ने युसुफ आदिलशाह से गोवा छीना।

→ भारत मे पुर्तगाली सत्ता का वास्तविक संस्थापक → डी० अल्बुकर्क

→ पहला विदेशी जिसने सती प्रथा को बंद करने का प्रयास किया → डी० अल्बुकर्क

→ नानू-डि-कुन्हा 1529-38 → इसने 1530 ई० मे गोवा को राजधानी बनाया।

→ प्रिंटिंग प्रेस, आलू, काजू, तमाकू व तम्बाकू भारत मे पुर्तगालियो की देन है।

→ पुर्तगाली सिकंदर लोदी के समय भारत आये थे।

→ पुर्तगाली 1961 ई० तक गोवा, दमन द्वीप मे रहे।

→ गोवा पुर्तगालियों से 1961 ई० मे आजाद हुआ।

→ गोवा 1962 ई० में भारत का अंग बना।

ईस्ट इंडिया कंपनी 1600-1947 ई०

→ 1599 ई० मे जॉन मिल्डेनहॉल पहला अंग्रेज था जो अकबर के शासनकाल मे भारत आया।

→ ब्रिटिश ईस्ट इंडिया की स्थापना के समय इंग्लैंड की महारानी एलिजाबेथ टेलर I थी।

→ 1608 ई० मे जेम्स प्रथम का राजदूत कैप्टन हॉकिन्स जहाँगीर के दरबार मे आया। जहाँगीर ने अंग्रेजों को व्यापार की अनुमति दी।

→ जहाँगीर ने कैप्टन हॉकिन्स को अंग्रेज खाँ की उपाधि दी।

→ 31 दिसंबर 1600 ई० में ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना अकबर के समय हुई।

→ पहली अस्थायी फैक्ट्री → 1608 सूरत

" " " → 1611 मसूलीपटनम

Scanned by CamScanner

→ पहली स्थायी फैक्ट्री → 1613 ई० सूरत में

1639 ई०:- में फ्रांसीस डे ने मद्रास बंदरगाह बनाई

1661 ई०:- में राजकुमार चार्ल्स ने कैथरीना ब्रैगेंजा से शादी की।
पुर्तगालियों ने चार्ल्स को दहेज में मुंबई दी।

1668 ई०:- चार्ल्स ने 10 पौंड सालाना किराए पर मुंबई को ईस्ट-इंडिया कंपनी के हाथों किराए पर दे दी।

1717 ई० में फर्रुखशियर ने अंग्रेजों को भारत में पूरी तरह व्यापार की अनुमति दी।

→ मुंबई का संस्थापक → गेराल्ड अगियार Shiv Geek

कलकत्ता → 23 जून 1757 को प्लासी का युद्ध हुआ।
↳ रॉबर्ट क्लाइव vs सिराजुद्दौला
↳ बंगाल का नवाब

→ फोर्ट विलियम (कलकत्ता) की स्थापना 1698 ई० में जॉब चारनॉक ने की।
→ कलकत्ता में 1756 ई० में काल कोठरी की घटना प्लासी की लड़ाई का तात्कालिक कारण थी।
→ कलकत्ता की नींव 1690 ई० में रखी गई।
→ प्लासी के युद्ध में मीर जाफर ने सिराजुद्दौला को धोखा दिया।
→ अंग्रेजी सत्ता का संस्थापक → रॉबर्ट क्लाइव को माना जाता है।
→ बक्सर का युद्ध → 22 October 1764
↳ अंग्रेज vs मीर कासिम + शुजाउद्दौला + शाहआलम II
↓ ↓ ↓
बंगाल का नवाब अवध का नवाब मुगल शासक
→ इस लड़ाई में अंग्रेजों का सेनापति → हेक्टर मुनरो
→ इलाहाबाद संधि के अनुसार बंगाल, बिहार व उड़ीसा में कर वसूली की जिम्मेदारी अंग्रेजों को शाहआलम II ने दी।
→ द्वैध शासन का जनक → रॉबर्ट क्लाइव
→ अंग्रेजों से पेंशन पाने वाला पहला मुगल शासक
→ शाहआलम II

Scanned by CamScanner

÷ डच ईस्ट इंडिया कंपनी ÷

1596 ई० में कार्नेलियस हाउटमैन डच का पहला डच था जो भारत आया।

1602 ई० में डच ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना हुई।

1605 ई० में पहली फैक्ट्री मसुलीपत्तनम में लगाई
1610 ई० में दूसरी फैक्ट्री पुलिकट में लगाई
] - आंध्रप्रदेश

→ इन्होंने सोने का सिक्का चलाया जिसे स्वर्ण पैगोडा कहा जाता था।
→ ये सूती वस्त्र उद्योग व नील वस्त्र उद्योग के लिए प्रसिद्ध थे।

1759 ई० वेदरा का युद्ध → डच VS ईस्ट इंडिया कंपनी
↳ नेतृत्व → रॉबर्ट क्लाइव

÷ डेनिश ईस्ट इंडिया कंपनी ÷

1616 ई० में भारत आए।
1620 ई० में पहली फैक्ट्री तरंगबाड़ी तमिलनाडु में।
→ इन्होंने चाय का व्यापार व चीन के साथ व्यापार की शुरुआत की।
1854 ई० में अपना सब कुछ बेचकर अंग्रेजों को बेचकर डेनमार्क चले गए।

÷ फ्रेंच ईस्ट इंडिया कंपनी ÷

स्थापना :- 1664 ई० में कालबर्ट से फ्रांस में की।
1668 ई० में भारत में पहली फैक्ट्री सूरत में लगाई।
पहला फ्रेंच गवर्नर → डूपले → इसे भारत में कंपनी का वास्तविक संस्थापक माना जाता है।
1672 ई० फ्रांसीसी मार्टिन ने पुडुचेरी पर अधिकार कर लिया।
1674 ई० में पांडिचेरी बंदरगाह की स्थापना व इसे अपना मुख्यालय बनाया।

1760 ई० वांडीवाश की लड़ाई
↳ अंग्रेज VS फ्रांसिसी

Scanned by CamScanner

÷ 1857 की क्रांति ÷

Shiv Seth

क्रांति के समय →

(i) ब्रिटिश की महारानी → विक्टोरिया
(ii) " का PM → पामर्स्टॉन
(iii) ब्रिटिश सेना का मुख्यालय → शिमला
(iv) ब्रिटिश सेना के तोपखाने का मुख्यालय - मेरठ
(v) भारत का गवर्नर जनरल → लॉर्ड केनिंग
(vi) क्रांति का चिह्न → कमल व रोटी

क्रांति के कारण :-

1 राजनैतिक कारण :- (क) सहायक संधि → 1798 ई० मे वेलेजली ने सहायक संधि लागू की।
→ 1798 ई० मे सहायक संधि को अपनाने वाली पहली रियासत → हैदराबाद

(ख) लैप्स नीति / हड़प-नीति / विलय नीति / व्यपगत नीति या Doctrained of Lapse →
→ इसकी शुरू 1848 ई० मे डल्हौजी ने की।
→ इस नीति के तहत 8 राज्य हड़पे गए।
→ इस नीति द्वारा हड़पा गया पहला राज्य → सतारा (महाराष्ट्र) 1848
→ झाँसी (UP) 1853
कुशासन का आरोप लगाकर हड़पा राज्य → अवध 1856

2 आर्थिक कारण :- (i) स्थायी बंदोबस्त या इस्तमरारी बंदोबस्त या जागीरदारी प्रथा या भूमिगुजारी प्रथा
→ संस्थापक → कार्नवालिस
→ यह सबसे पहले 1793 ई० मे बंगाल मे लागू हुई।

(ii) रैयतवाड़ी व्यवस्था :- संस्थापक :- कैप्टन रीड व थॉमस मुनरो
→ सबसे पहले यह प्रथा 1792 ई० में परिक्षण के लिए लागू की गई। बारामहल (तमिलनाडु)
→ 1820 ई० मे मद्रास (तमिलनाडु) में यह पूर्ण रूप से लागू हुई।

Scanned by CamScanner

(iii) महालवाड़ी प्रथा → ~~12~~ 1822 ई० मे हॉल्ट मैकेंजी ने मध्य प्रांत मे लागू की।

3 सामाजिक कारण :-

(i) सती प्रथा पर रोक → 1829 ई० मे लार्ड विलियम बेंटिक व राजाराम मोहनराय ने सती प्रथा पर रोक लगाई।

(ii) विधवा पुर्नविवाह → ~~18~~ 1856 ई० मे लार्ड केनिंग व ईश्वर चन्द्र विद्यासागर ने।

4 तात्कालिक कारण : चर्बी वाले कारतुस

÷ मंगल पांडे ÷

→ 34वीं लाइट नेटिव इंफैंट्री को बैरकपुर में सिपाही था।
→ चर्बी वाले कारतुस चलाने से मना कर दिया
→ 29 मार्च 1857 ई० को चर्बी वाले कारतुस चलाने से मना कर दिया
→ इसी दिन मंगलपांडे ने मेजर ह्यूसन को गोली मारी
→ 8 अप्रैल 1857 ई० को अंग्रेजो ने मंगलपांडे को बैरकपुर छावनी मे फांसी दी।

नारा :- "मारो फिरंगी को"

→ इसे हम पहला सैनिक, पहला विद्रोही, पहला शहीद के नाम से जानते हैं।
→ 31 मई 1857 ई० को क्रांति की तारीख निर्धारित की गई परंतु क्रांति की शुरुआत ~~18~~ 10 मई 1857 ई० को मेरठ से शुरू हो गई।
→ बहादुर शाह जफर II को संपूर्ण भारत का नेता घोषित कर दिया गया।
→ क्रांति के बारे में विद्वानों का मत →

(i) एक सैनिक विद्रोह → जॉन ~~लॉरेंस~~ लॉरेन्स
(ii) एक नागरिक विद्रोह → ब्रुसनार्टन
(iii) एक राष्ट्रीय विद्रोह → बेंजामीन -डी- जरैली
(iv) न नागरिक विद्रोह न सैनिक विद्रोह न राष्ट्रीय विद्रोह → R. C. मजूमदार
(v) स्वतंत्रता की पहली लड़ाई → V.D. सावरकर

Scanned by CamScanner

केन्द्र		नेता		दमनकर्ता
दिल्ली	→	बहादुरशाह जफर + बख्त खाँ	→	निकोलस + एडवर्ड
कानपुर	→	नाना साहब + तात्या टोपे	→	कैम्बेल + हैवलॉक
लखनऊ	→	बेगम हजरत महल	→	कैम्बेल
इलाहाबाद (UP)	→	लियाकत अली	→	कर्नल नील
बरेली	→	खान बहादुर खाँ	→	विसेंट आयर
~~फतेहपुर~~				
फैजाबाद	→	मौलवी अब्दुल्ला	→	रेनर्ड
ग्वालियर-MP	→	तात्या टोपे	→	ह्यूरोज
झाँसी → UP	→	रानी लक्ष्मी बाई	→	ह्यूरोज
जगदीशपुर (बिहार)		बाबु कुँवर सिंह	→	

Shiv

महत्वपूर्ण तथ्य →

(i) बेगम हजरतमहल का वास्तविक नाम → महकपरी
(ii) तात्या टोपे का वास्तविक नाम → रामचन्द्र पांडुरंग
(iii) नाना साहब का वास्तविक नाम → धोंधु पंत

* काले पानी से भागकर आने वाला विद्रोही → V.D. सावरकर
→ V.D सावरकर ने 1899 ई० में क्रांतिकारी सम्मेलन संगठन मित्रमेला की स्थापना की।
→ 1904 ई० में "अभिनव भारत" नाम रखा गया।
→ दक्षिण भारत में क्रांति नहीं हुई।
→ 1857 की क्रांति की जाँच के लिए Peel Commision गठित किया।
→ 1 November 1858 ई० को इंग्लैण्ड की महारानी ने एक घोषणा की जिसे सबसे पहले लॉर्ड केनिंग ने इलाहाबाद में पढ़ा।
→ 1 November 1858 को भारत में ईस्ट इंडिया ~~कंपनी~~ कंपनी का शासन खत्म।
→ इसकी जगह इंग्लैंड की महारानी विक्टोरिया ने भारत का शासन अपने हाथों में लिया।
→ 1 November 1858 ई० को मुगलों के सिक्के बंद कर दिए।

Scanned by CamScanner

÷ महात्मा गांधी व उनके आंदोलन :-

→ गांधी जी के 4 बेटे थे - हरिलाल → सबसे बड़ा
- देवदास → सबसे छोटा

जन्म → 2 अक्तुबर 1869 ई० पोरबंदर (काठियावाड़) गुजरात
मृत्यु 30 जनवरी 1948 ई० बिरला हाऊस (दिल्ली)

→ 2 अक्तुबर को गांधी जयंती व अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाया जाता है।

→ 30 जनवरी को शहीदी दिवस मनाया जाता है।

→ 1888-91 ई० → 3 वर्ष तक लंदन से रहकर बैरिस्टर/वकालत/कानून की पढ़ाई की।

→ सबसे पहले मुंबई व बाद में राजकोट कोर्ट में वकालत की।

1893 ई० में अब्दुल्ला भाई का केस लड़ने अफ्रीका गए।

1894 ई० में दक्षिण अफ्रीका में नेटाल इंडियन कांग्रेस की स्थापना की।

1904 ई० में फिनिक्स आश्रम की स्थापना की।

1906 ई० में पहला सत्याग्रह द० अफ्रीका में रंगभेद की नीति के खिलाफ

1908 ई० में पहली बार जेलयात्रा की।

1910 ई० में टॉलस्टॉय फार्म की यात्रा की

1914 ई० में अफ्रीका से भारत के लिए रवाना।

9 जनवरी 1915 ई० को भारत लौटे।
↳ इस दिन को प्रवासी भारतीय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

15 जनवरी 1915 ई० को अंग्रेजों ने महात्मा गांधी को "केसर-ए-हिन्द" की उपाधि दी।

÷ गांधी जी की पुस्तकें ÷

1. हिन्द स्वराज → पहली पुस्तक → गुजराती भाषा में
2. My Experiment With Truth → आत्मकथा

Scanned by CamScanner

गांधीजी की उपाधियां →

1 महात्मा → गांधी जी को महात्मा की उपाधि रविन्द्रनाथ टैगोर ने दी तथा महात्मा गांधी ने रविन्द्रनाथ टैगोर को गुरुदेव की उपाधि दी।

2 बापू → पं. जवाहर लाल नेहरू व एण्ड्रयूज

3 राष्ट्रपिता → सुभाष चन्द्र बोस

Shiv geet

4 देशद्रोही फकीर ⎤
5 अर्द्ध नग्न फकीर ⎦ → विंस्टन चर्चिल

6 जादूगर → शेख मुजीबुर्रहमान

7 मलंग बाबा → खान अब्दुल गफ्फार खान → इसे भारत का फ्रंटियर गांधी कहा जाता है।

गांधी जी के समाचार पत्र →

1904 :- मे Indian Opinion का प्रकाशन दक्षिण अफ्रीका मे English मे किया।

1920 ई०:- मे Young India का प्रकाशन

1930 ई०:- नवजीवन ⎤
1933 ई०:- हरिजन ⎦ → गुजराती भाषा मे

1932 ई० मे गांधी जी ने हरिजन सेवक संघ की स्थापना पूना मे की।

→ इसके प्रथम अध्यक्ष → घनश्याम दास बिरला

बंगाल विभाजन :- 1905 ई०

→ बंगाल का विभाजन 16 अक्तुबर 1905 ई० लार्ड कर्जन ने किया।

बंगाल विभाजन (सांप्रदायिक आधार पर)

- पूर्वी बंगाल (मुस्लिम)
  - ↳ बाद मे यह पूर्वी पाकिस्तान बना।
  - ↳ 16 दिसंबर 1971 को बांग्लादेश के नाम से नया देश बना।
- पश्चिमी बंगाल (हिन्दू)

Scanned by CamScanner

→ 16 अक्टूबर को रविन्द्रनाथ टैगोर ने शोक दिवस व राखी दिवस बनाने का निर्णय लिया।

÷ मुस्लिम लीग 1906 ÷

→ मुस्लिम लीग की स्थापना 30 दिसंबर 1906 ई॰ में ढाका में हुई।

संस्थापक → आगा खाँ व सलीमुल्लाह
↳ पहला स्थायी अध्यक्ष ↳ ढाका का नवाब

→ पहला अध्यक्ष → वकार-उल-मुल्क मुस्ताक हुसैन

मोहम्मद अली जिन्ना 1913 ई॰ मे मुस्लिम लीग में शामिल हुआ

— भारत के वायसराय —

कर्जन → 1899-1905
मिंटो II → 1905-1910
हॉर्डिंग II → 1910-1916
चेम्सफोर्ड → 1916-1921
रीडिंग → 1921-1926
इर्विन → 1926-1931
वेलिंगटन → 1931-1936
लिन लिथगो → 1936-1943

Shive

÷ 1909 मार्ले-मिंटो सुधार ÷

→ इसे भारत परिषद अधिनियम भी कहते हैं।
→ मुस्लिमो के लिए अलग चुनाव प्रणाली लागू की गई।
→ मुस्लिमों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई।
→ मुस्लिम आरक्षण का जनक → मिंटो

÷ दिल्ली दरबार ÷

पहला दरबार → 1877 ई॰ मे लार्ड लीटन के समय में।
↳ महारानी विक्टोरिया भारत आई।
↳ महारानी विक्टोरिया को केसर-ए-हिन्द की उपाधि।

Scanned by CamScanner

दूसरा दरबार → 1903 ई० में लार्ड कर्जन के समय में
↳ एडवर्ड VIII भारत आया

तीसरा दरबार → 1911 ई० में लार्ड हॉर्डिंग II के समय में
→ इसमें बंगाल का विभाजन रद्द कर दिया गया।
→ जार्ज पंचम व उसकी पत्नी मेरी भारत आए
→ भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली लाने की घोषणा

→ 1913 ई० में "गदर पार्टी" की स्थापना सेन फ्रांसिसको में हुई।
↳ संस्थापक → लाला ~~हरदेव~~ हरदयाल व सोहन सिंह भकना
↳ अध्यक्ष
↳ महासचिव

→ 1913 ई० में "गदर अखबार" का पहला अंक उर्दू भाषा में प्रकाशित हुआ।

÷ चम्पारण सत्याग्रह 1917 ई० ÷

चम्पारण (बिहार) → नील खेती के लिए मजबूर करने के विरुद्ध
→ राजकुमार शुक्ला महात्मा गांधी को लेकर गया।
→ यह महात्मा गांधी जी का भारत में पहला सत्याग्रह था।

1918 ई० अहमदाबाद मील हड़ताल → यह मजदूरों की हड़ताल थी।
↳ इसमें गांधी जी ने पहली बार भूख हड़ताल की।

÷ खेड़ा आंदोलन 1918 (गुजरात) ÷

→ खेड़ा आंदोलन 1918 ई० में शुरू हुआ।
→ यह किसानों का "कर" के खिलाफ आंदोलन था
→ इस आंदोलन का दूसरा नाम → कर मत दो आंदोलन
→ इस आंदोलन का नेतृत्व → महात्मा गांधी
→ "कर मत दो का नारा" → सरदार पटेल

1919 ई० में रॉलेट एक्ट लागू हुआ
→ इसे महात्मा गांधी ने "काला कानून" की संज्ञा दी।

Scanned by CamScanner

→ इस एक्ट के विरोध में राष्ट्रव्यापि हड़ताल की घोषणा की।
→ गांधी जी को 8 अप्रैल / 10 अप्रैल 1919 ई० को पलवल रेलवे स्टेशन से भारत में पहली बार गिरफ्तार किया गया।

÷ जलियांवाला बाग हत्याकांड ÷

→ 13 अप्रैल 1919 ई० को बैसाखी के दिन अमृतसर के जालियांवाला बाग में इकट्ठी हुई जनसभा पर जनरल डायर ने गोली चलवा दी।
→ इसमें 379 लोग मरे।

÷ असहयोग आंदोलन ÷

→ यह आंदोलन गांधी जी के नेतृत्व में 1 अगस्त 1920 ई० को शुरू हुआ।
→ इस आंदोलन के समय भारत के वायसराय चेम्सफोर्ड थे।
→ जालियांवाला बाग हत्याकांड के विरोध में महात्मा गांधी जी ने "केसर-ए-हिन्द" की उपाधि त्याग दी।
→ और रविन्द्रनाथ टैगोर ने "सर" व "नाइटहुड" की उपाधि त्याग दी।
→ चौरा-चौरी (UP) कांड 5 फरवरी 1922 ई० को हुआ।
  ↳ इसमें 22 पुलिस वाले जिन्दा जले।
  ↳ 11 फरवरी 1922 ई० को इस कांड की सूचना गांधी जी को मिली 12 फरवरी 1922 ई० असहयोग आंदोलन बंद कर दिया गया।

÷ स्वराज पार्टी ÷

→ स्वराज पार्टी की स्थापना 1 जनवरी 1923 ई० को मोतीलाल नेहरू व चितरंजन दास ने की।

मोती लाल नेहरू → महासचिव
चितरंजन दास → अध्यक्ष

→ HRA → Hindustan Republication Association की स्थापना 1924 ई० में शचिन्द्रनाथ सान्याल, योगेश चटर्जी व रामप्रसाद बिस्मिल ने कानपुर में की।

Scanned by CamScanner

→ 9 अगस्त 1925 ई० को काकोरी कांड हुआ।
→ यह ट्रेन की डकैती थी।
→ इस कांड मे रामप्रसाद बिस्मिल को 19 दिसंबर 1927 ई० को फांसी दी गई।

HSRA → Hindustan Socialist Republication Association की स्थापना फिरोजशाह कोटला (दिल्ली) मे 1928 ई० मे चन्द्रशेखर आजाद ने की।
→ 27 फरवरी 1931 ई० को अल्फ्रेड पार्क (इलाहाबाद) मे चन्द्रशेखर आजाद की मृत्यु हो गई।

:- साइमन कमिशन :-

→ साइमन कमिशन की स्थापना 1927 ई० मे हुआ।
→ 3 फरवरी 1928 ई० को मुंबई आया।
→ इस कमिशन मे 7 सदस्य थे।

Shinjeet 9725004909

Aim → संवैधानिक आयोग का गठन
→ इसका स्वागत काले झंडे से हुआ।
→ इसका सबसे प्रबल विद्रोह लाला लाजपतराय ने 30 October 1928 ई० मे लाहौर मे किया।
→ इसी दिन सांडरस ने इन पर लाठी-चार्ज करवा दिया।
→ लाला लाजपतराय घायल होने से लाहौर के अस्पताल मे 17 नवंबर 1928 ई० मे मृत्यु हो गई।
→ "साइमन कमिशन वापिस जाओ" नारा → लाला लाजपतराय
→ 17 दिसंबर 1928 ई० को भगत सिंह ने सांडरस की गोली मारकर हत्या कर दी।
→ इसे White Commision व Zone Commision भी कहा जाता है।

Scanned by CamScanner

÷ लाहौर काण्ड 8 अप्रैल 1929 ई० ÷

→ इसी दिन भगत सिंह व बटुकेश्वर दत्त ने दिल्ली की असेंबली पर बम फेंका।
→ भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव को जेल में डाल दिया गया।
  ↳ इनके साथ हो रहे दुर्व्यवहार के विरोध में जतिनदास ने भुख हड़ताल की। हड़ताल के 64वें दिन उसकी मृत्यु हो गई।
→ 23 मार्च 1931 ई० को तीनों को फाँसी की सजा दे दी गई। इनको लाहौर जेल में फाँसी दी गई। इसीलिए इसे लाहौर काण्ड कहा जाता है।

÷ सविन्य अवज्ञा आंदोलन ÷

→ साबरमति आश्रम → इसकी स्थापना 1917 ई० में महात्मा गांधी जी ने अहमदाबाद में की।
→ दाण्डी मार्च यात्रा 12 मार्च 1930 ई० को साबरमति आश्रम से शुरू की।
→ यह यात्रा 241 मील | 385 Km की दूरी है।
→ इस यात्रा में पूरे 24 दिन लगे।
→ इसमें गांधी जी के साथ 78 अनुयायी थे। इसमें केवल एक महिला सरोजिनी नायडू थी।
→ 5 अप्रैल 1930 ई० को दाण्डी पहुँचे।
→ 6 अप्रैल 1930 ई० को नमक बनाकर सविन्य अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत की।
→ इस आंदोलन के समय वायसराय → लार्ड इर्विन
→ 5 मार्च 1931 ई० को गांधी-इर्विन समझौता (दिल्ली)
  ↳ इसे दिल्ली समझौता भी कहते है।
  ↳ इस समझौते के पश्चात सविनय अवज्ञा आंदोलन स्थगित कर दिया गया।
  ↳ 1932 ई० में सविन्य अवज्ञा आंदोलन दोबारा शुरू किया है।

Scanned by CamScanner

÷ गोलमेज सम्मेलन ÷

पहला (1930ई०)	दूसरा 1931ई.	तीसरा 1932ई.
→ लंदन	→ लंदन	→ लंदन
→ अध्यक्ष → रेम्सफोर्ड PM	—	—
→ B.R अंबेडकर ने भाग लिया → दलित नेता	→ ''	→ ''
→ मोहम्मद अली जिन्ना ने भाग लिया → मुस्लिम लीग नेता	→ ''	— ''
→ कांग्रेस ने भाग नहीं लिया	→ इसमें कांग्रेस की ओर से महात्मा गांधी, एनी बेसेंट व सरोजिनी नायडू ने भाग लिया	→ कांग्रेस ने भाग नहीं लिया

→ तीनों गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने वाले → B. R. अंबेडकर
→ मोहम्मद अली जिन्ना

→ दूसरे व तीसरे गोलमेज सम्मेलन के समय भारत का वायसराय
→ वेलिंगटन

→ व्यक्तिगत सत्याग्रह → 1940ई०
↳ पहला व्यक्तिगत सत्याग्रही → विनोबा भावे

÷ भारत छोड़ो आंदोलन ÷

→ भारत छोड़ो आंदोलन 8 अगस्त 1942ई० को ग्वालियर टैंक मुंबई से शुरु हुआ।

→ यह आंदोलन वर्धा सम्मेलन में पास हुआ था।

→ इस समय भारत के वायसराय → लिन लिथगो

→ इस आंदोलन में गांधी जी ने "करो या मरो" व "अंग्रेजो भारत छोड़ो" का नारा दिया।

Scanned by CamScanner

→ 9 अगस्त 1942 ई० को सारे नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया।

→ महात्मा गाँधी + कस्तुरबा गांधी + महादेव देसाई → को आगा खाँ पैलेस (पूना) में नजरबंद कर दिया।

→ इसे "अगस्त क्रांति" व "नेतृत्व हीन क्रांति" की संज्ञा दी जाती है।

→ सभी नेताओं को जेल में बंद करने के बाद अरुणा आसफ अली ने नेतृत्व किया।

क्रिप्स मिशन :- 23 मार्च 1942 ई० को भारत आया।

→ इसमें 3 सदस्य थे।

→ पेथिक लोरेंस, A V अलेक्जेंडर, स्टेफर्ड क्रिप्स

आजाद हिन्द फौज

1941 ई० में मलाया में मोहन सिंह ने आजाद हिन्द फौज की स्थापना की।

→ 1942 ई० में टोक्यो में रास बिहार बोस ने की।

→ 1943 ई० में सिंगापुर में वास्तविक संस्थापक → सुभाष चन्द्र बोस

→ इसका मुख्यालय → सिंगापुर

दूसरा " → रंगून (बर्मा)

→ आजाद हिन्द फौज में जापान व जर्मनी का सहयोग था।

→ आजाद हिन्द फौज रेडियो की शुरुआत जर्मनी से हुई।

(i) तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा।
(ii) जय हिन्द
(iii) दिल्ली चलो

} नारे → सुभाष चन्द्र बोस

→ सुभाष चन्द्र को "बोस" की उपाधि → हिटलर

→ महिला यूनिट झाँसी ब्रिगेड की कैप्टन → लक्ष्मी सहगल

Scanned by CamScanner

→ एटली की घोषणा → यह ब्रिटेन का PM था
→ इसने घोषणा की कि June 1948 भारत व पाकिस्तान दो अलग-२ स्टेट बनाए जाएंगे।

ः माउंटबेटन योजना ः

→ 3 जून 1947 विधेयक बनाया गया।
→ 4 जुलाई 1947 को इसे ब्रिटिश संसद मे पेश किया

→ 18 जुलाई 1947 को इसे स्वीकृति मिली।
↳ इसे भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम भी कहते है।
→ 15 अगस्त 1947 को भारत आजाद हो गया।

Shiv Jeet.
9729504909

Scanned by CamScanner

÷ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ÷

स्थापना → 28 दिसंबर 1885 ई. को बंबई के गोकुलदास संस्कृत कॉलेज में हुई। उस समय भारत के वायसराय → लार्ड डफरिन

संस्थापक → A.O. ह्यूम

(i) A.O. ह्यूम को कांग्रेस का राष्ट्रीय, जन्मदाता व पहला महासचिव होने का गौरव प्राप्त है।

(ii) इसे शिमला का संत ~~होने का भी~~ भी कहा जाता है।

(iii) A.O. ह्यूम व बाल गंगाधर तिलक कभी भी कांग्रेस के अध्यक्ष नहीं बने।

Note: सेंट जेवियर को गोवा का संत कहा जाता है।

→ पहला अधिवेशन कलकत्ता में होना था परंतु वहां हैजा व प्लेग जैसी महामारियाँ फैल गई जिससे यह बंबई में हुआ

पहला अधिवेशन → 1885 ई० में बंबई में हुआ

↳ W.C बनर्जी राष्ट्रीय कांग्रेस के पहले अध्यक्ष बने।

↳ इसमें 72 सदस्यों ने भाग लिया

दूसरा अधिवेशन → 1886 ई० में कलकत्ता में हुआ।

↳ इसके अध्यक्ष दादा भाई नौरोजी थे।

↳ इसमें 436 सदस्यों ने भाग लिया।

तीसरा अधिवेशन → 1887 ई० में मद्रास में हुआ।

↳ इसके अध्यक्ष बदरुद्दीन तैयब जी जो कि पहले मुस्लिम अध्यक्ष थे।

चौथा अधिवेशन → 1888 ई० में इलाहाबाद में हुआ

↳ इसके ~~अ~~ अध्यक्ष जॉर्ज यूल थे जो कि पहले यूरोपियन अध्यक्ष थे।

↳ इसमें सर्वाधिक 1248 सदस्यों ने भाग लिया

↳ इसमें हिसार का प्रतिनिधित्व लाला लाजपत राय ने किया।

Scanned by CamScanner

छठा अधिवेशन → 1890 ई० में कलकत्ता में हुआ।
↳ अध्यक्ष → फिरोजशाह मेहता
↳ कादंबनी गांगुली पहली महिला सदस्य
↳ भारत की पहली ग्रेजुएट महिला

बारहवां अधिवेशन → 1896 ई० में कलकता में हुआ।
↳ अध्यक्ष →
↳ पहली बार वंदे मातरम गया गया तथा यह रविन्द्रनाथ टैगोर ने गाया।
↳ वंदे मातरम आनंदमठ (बगांल) से लिया गया है जिसके लेखक बंकिम चन्द्र चटर्जी है। वंदे मातरम की भाषा संस्कृत है।
↳ वंदे मातरम को राष्ट्रीयगीत 24 जनवरी 1950 घोषित
↳ 65 सैकंड में गाया जाता है

बाइसवां अधिवेशन → 1906 ई० में कलकता में हुआ।
↳ अध्यक्ष → दादा भाई नौरोजी
↳ "स्वराज्य" शब्द का पहली बार प्रयोग

तेइसवां अधिवेशन → 1907 ई० में सूरत में
↳ अध्यक्ष → रास बिहारी घोष
↳ इसमे कांग्रेस का दो भागों में बंटवारा →
(i) नरमदल (ii) गरम दल → लाल-पाल-बाल व अरविंदो घोष

27वां अधिवेशन → 1911 ई० में कलकता में
↳ अध्यक्ष → बिशन नारायणधर
↳ 27 दिसंबर 1911 को पहली बार जन-गण-मन गाया गया
↳ जॉर्ज पंचम के स्वागत में
↳ यह रविन्द्रनाथ टैगोर जी की पुस्तक गीतांजली से लिया गया है। जिसके लिए इन्हें 1913 ई० में नोबेल पुरस्कार मिला।
↳ जन-गण-मन → भाषा → बगांली
↳ आबिद अली ने इसका हिन्दी अनुवाद किया

Scanned by CamScanner

↳ रामसिंह ठाकुर ने इसकी धुन तैयार की
↳ इसे भारत का राष्ट्रीय गान 24 जनवरी 1950 को बनाया
↳ अधिकतम समय → 52 सैकंड
न्यूनतम " → 20 सैकंड
↳ 1912 ई० में "तत्वबोधिनी" पत्रिका में "भारत - भाग्य - विधाता" नाम से प्रकाशित
↳ रविन्द्रनाथ टैगोर ने 3 देशों का राष्ट्रीयगान लिखा
1. भारत → जन-गण-मन
2. बांग्लादेश → आमार-सोनार-बांग्ला
3. श्रीलंका → नमो-नमो-माता

32वां अधिवेशन → 1916 ई० में लखनऊ में हुआ।
↳ अध्यक्ष → अंबिका चरण मजुमदार
↳ "स्वराज्य मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है" → बालगंगाधर तिलक
↳ कांग्रेस तथा मुस्लिम लीग ने एक साथ काम किया → लखनऊ समझौता

33वां अधिवेशन → 1917 ई० में कलकत्ता में
↳ अध्यक्ष → ऐनी बेसेंट → पहली महिला अध्यक्ष

36वां अधिवेशन → 1920 ई० में नागपुर में
↳ अध्यक्ष → विजयराघव आचार्य
↳ इसमें चितरंजन दास ने असहयोग आंदोलन का प्रस्ताव रखा पास भी हुआ।
↳ चितरंजनदास को देशबन्धु की उपाधि।

Special अधिवेशन → 1920 ई० में कलकत्ता में
↳ अध्यक्ष → लाला लाजपतराय
↳ इसमें गांधी जी ने असहयोग आंदोलन का प्रस्ताव रखा परंतु पास नहीं हुआ।
↳ AITUC की स्थापना
↳ अध्यक्ष → लाला लाजपत राय

Scanned by CamScanner

Special अधिवेशन → 1923 ई० मे दिल्ली मे

↳ अध्यक्ष → मौलाना अबुल कलाम आजाद

↳ कांग्रेस का सबसे युवा अध्यक्ष ~~वय~~ 35 वर्ष आयु

↳ 11 नवंबर (जन्म) - को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

↳ देश के पहले शिक्षा मंत्री

↳ आत्मकथा → India Wins freedom

पत्रिकाएँ → अल हिलाल, अल बिलाल] उर्दू भाषा

Shiv jeet

40वां अधिवेशन → 1924 ई० मे बेलगाँव (कर्नाटक)

↳ अध्यक्ष → मोहनदास कर्मचंद गांधी

↳ केवल एक बार अध्यक्ष बने।

41वां अधिवेशन → 1925 ई० मे कानपुर (UP) मे

↳ अध्यक्ष → सरोजिनी नायडू

↳ पहली भारतीय महिला जो कांग्रेस की अध्यक्ष बनी।

45वां अधिवेशन → 1929 ई० मे ~~लाहे~~ लाहौर मे

↳ अध्यक्ष → जवाहरलाल नेहरू

↳ 31 दिसंबर 1929 को पूर्ण स्वराज्य की मांग।

↳ 31 दिस० 1929 को पहली बार लाहौर मे रावि नदी के किनारे तिरंगा फहराया गया।

↳ 26 जनवरी 1930 को भारत का पहला स्वतंत्र दिवस मनाने की घोषणा।

↳ तिरंगे को राष्ट्रीय ध्वज के रूप मे 24 जुलाई 1947 ई० को अपनाया।

↳ तिरंगे का डिजाइनर → पिंगली वैंकैया नायडू (हैदराबाद)

↳ अशोक चक्र का रंग → गहरा नीला

→ यह रंग समृद्धि का सूचक है।

Scanned by CamScanner

51वां अधिवेशन → 1937 ई० फैजपुर (महाराष्ट्र) में
↳ अध्यक्ष → जवाहरलाल नेहरू
↳ यह एकमात्र ऐसा अधिवेशन था जो गांव में हुआ।

54वां अधिवेशन → 1940 ई० रामगढ़ में
↳ अध्यक्ष → मौलाना आजाद
↳ यह 5 साल तक लगातार अध्यक्ष रहे।
↳ इन्होंने 1942 ई० में वर्धा में भारत छोड़ो आंदोलन पारित किया।

55 वां अधिवेशन → 1946 ई० मेरठ में।
↳ अध्यक्ष → J.B. कृपलानी
↳ आजादी के समय कांग्रेस के अध्यक्ष

Special अधिवेशन → 1947 ई० में दिल्ली में
↳ अध्यक्ष → डा० राजेन्द्र प्रसाद

56 वां अधिवेशन → 1948 ई० जयपुर में
↳ अध्यक्ष → पट्टाभी सीतारमैया

Note → सबसे ज्यादा अधिवेशन → कलकत्ता
सबसे ज्यादा बार अध्यक्ष → दादा भाई नौरोजी
डॉ० राजेन्द्र प्रसाद की आत्मकथा → "India Divided"

Scanned by CamScanner

प्राचीन इतिहास

Shiv Jeet

Scanned by CamScanner

प्राचीन इतिहास

प्रागैतिहासिक काल
↳ पाषाणकाल के बारे मे इसका कोई लिखित प्रमाण नहीं मिलता।

आद्य एतिहासिक काल
↳ सिंधु सभ्यता के बारे मे लिखित प्रमाण मिले है। परंतु पढा नहीं गया।

एतिहासिक काल

Shiv

1. पाषाणकाल →

1. रामापिथेकस → ऐसा मानव जो चारो पैरों पर चले।
2. ऑस्ट्रेलोपिथेकस → दो पैरों पर झुककर चलने वाला
3. होमो इरेक्टस →
4. होमो सेपियंस →

पुरापाषाण काल → 2 लाख BC से 10 हजार BC तक
मध्य पाषाण काल → 10 हजार BC से 6000 BC तक
नवपाषाण काल → 6000 BC से 4000 BC तक

→ पुरापाषाण का पहला ~~साक्ष~~ साक्ष्य 1868 ई० मे रॉबर्ट फुट को कावरम (तमिलनाडु) मे पत्थर की कुल्हाड़ी मिली।
→ मध्यपाषाण का पहला साक्ष्य 1857 ई० मे ली मेस्युनर को टोंस घाटी मे रुद्राक्ष माला मिली।
→ आग का अविष्कार पुरा-पाषाणकाल में हुआ।
→ पहिये का अविष्कार नव-पाषाणकाल में हुआ।
→ कृषि का अविष्कार नव-पाषाण काल मे हुआ। सबसे पहले जौ के साक्ष्य मेहरगढ (पाकिस्तान) में मिले है।
→ मनुष्य मे स्थायी निवास की प्रवृत्ति नवपाषाणकाल मे हुई तथा उसने सबसे पहले कुत्ते को पालतू बनाया।
→ पुरापाषाणकाल मे मानव की जीविका का मुख्य आधार शिकार था। इसकी चित्रकारी के लक्ष्य भीमबेटका (mp) में मिलते है।

Scanned by CamScanner

→ मनुष्य ने सर्वप्रथम तांबा धातु का प्रयोग किया था। इससे बना प्रथम औजार कुल्हाड़ी थी। यह अतिरम्पाक्कम से प्राप्त हुई है।

→ मध्य पाषाणकाल मे मनुष्य मे सामूहिकता की भावना का विकास हुआ। इसके साक्ष्य भीमबेटका (mp) मे मिले है।

→ मनुष्य ने नवपाषाण काल मे हड्डी से बने औजारों का भी प्रयोग किया। इसके साक्ष्य हमे चिराद (पटना) से मिलते है।

→ मानव ने मध्यपाषाण काल से ही पशुपालन शुरू कर दिया था।

→ हमें नवपाषाण काल का मानव व कुत्ते का एक ~~पत्थर~~ कब्र में शव मिले है → बुर्जहोम (जम्मू-कश्मीर)

→ रॉबर्ट ब्रुश फुट पहले व्यक्ति थे जिन्होंने 1863 ई० मे भारत मे ~~पुरुष~~ पुरापाषाणकालीन औजारों की खोज की।

→ भारत मे मनुष्य संबंधी सबसे पहला प्रमाण नर्मदा घाटी मे मिला है।

प्राचीन इतिहास के स्रोत

धर्मग्रंथ | ऐतिहासिक ग्रंथ | विदेशियों का विवरण | पुरातत्व संबंधी साक्ष्य

→ भारत का सर्वप्राचीन धर्मग्रंथ वेद है।
→ वेदों के संकलनकर्ता महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास को माना जाता है।
→ वेद – 4 है → ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद।
→ इन चारों वेदों को संहिता कहा जाता है।

÷ ऋग्वेद ÷

→ यह सबसे प्राचीन वेद है।
→ इसमें 10 मंडल व 1028 सूक्त है तथा 10462 ऋचाएं है।
→ विश्वामित्र द्वारा रचित गायत्री मंत्र ऋग्वेद के तीसरे मंडल में सोम देवता सावित्री को समर्पित है।
→ इसके 9वें मंडल में सोम देवता का उल्लेख है।
→ इसके 8वें मंडल में ~~लिखित~~ हस्तलिखित ऋचाओं को खिल कहा जाता है।
→ ऋग्वेद के 10वें मंडल में पुरुषसूक्त है, जिसके अनुसार चार वर्णों – ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य व शूद्र की उत्पत्ति पुरुष ब्रह्मा के क्रमशः मुँह, भुजाओं, जांघ व पैरों से हुई है।
→ ऋग्वेद में इन्द्र के लिए 250 तथा अग्नि के लिए 200 ऋचाओं की रचना की गई है।

÷ यजुर्वेद ÷

→ इसमें यज्ञों के नियमों एवं विधानों का संकलन है।
→ यह ऐसा वेद है जो गद्य एवं पद्य दोनों में है।

÷ सामवेद ÷

→ साम का शाब्दिक अर्थ है – गान
→ इसे भारतीय संगीत का जनक कहा जाता है।

Scanned by CamScanner

:- अथर्ववेद :-

→ इस वेद की रचना अथर्वा ऋषि द्वारा की गई।
→ इसमें कुल 731 मंत्र तथा 6000 पद्य है।
→ इस वेद मे कन्याओं के जन्म की निन्दा की गई है।
→ इसमें जादू-टोनो जैसे अंधविश्वासो का वर्णन है।
→ इस वेद की रचना सबसे बाद मे हुई।

वेदांग :- वेदों को भली-भाँति समझने के लिए वेदांगो की रचना की गई।

→ इनकी संख्या → 6

1. शिक्षा 2. कल्प, 3. ज्योतिष, 4. व्याकरण 5. निरुक्त 6. छन्द

पुराण :- पुराणों के रचयिता लोमहर्ष व उग्रश्रवा माने जाते हैं।

→ पुराणों की संख्या → 18
→ सबसे प्राचीन पुराण → मत्स्यपुराण
सबसे नया पुराण → गरुड़ पुराण

उपनिषद / वेदांत → गुरु के समीप बैठकर ज्ञान प्राप्त करना उपनिषद कहलाता है। इनकी संख्या — 108

↓
रचनाकार
↓
बदरायण

→ भारत का राष्ट्रीय वाक्य "सत्यमेव जयते" मुण्डकोपनिषद से लिया गया है।
→ कठोपनिषद व "यमी व नचीकेता संवाद" लिए गए है।
→ भारतीय दर्शन का जनक → उपनिषद
→ वेदों का सार → उपनिषद

दर्शन :- दर्शन की संख्या → 6

दर्शन		रचयिता
1 सांख्य दर्शन	→	कपिल मुनी
2. न्याय "	→	गौतम
3. योग "	→	पतंजली
4. वैशेषिक "	→	कणाद / उलूक
5 पूर्व मिमांसा "	→	जैमिनी
6. उत्तर मिमांसा "	→	बदरायण / व्यास

Scanned by CamScanner

→ स्मृतिग्रथो मे सबसे प्राचीन एवं प्रामाणिक मनुस्मृति मानी जाती है।
यह शुंग वंश की जानकारी देती है।
→ नारद स्मृति गुप्त युग की जानकारी देती है।

जातक कथाएं → जातक कथाओं मे महात्मा बुद्ध के जन्म से पूर्व की कहानियाँ वर्णित है।

→ जैन साहित्य को आगम कहा जाता है।
→ जैन धर्म का प्रारंभिक इतिहास ~~कल्पसूत्र~~ कल्पसूत्र से ज्ञात होता है
→ कल्पसूत्र के लेखक → भद्रबाहु

अर्थशास्त्र :- अर्थशास्त्र के लेखक चाणक्य (कौटिल्य / विष्णुगुप्त) है।
→ इसमें मौर्यकालीन इतिहास की जानकारी प्राप्त होती है,

राजतरंगिणी → इसके लेखक → कल्हण
→ इसमे कश्मीर का इतिहास वर्णित है।
→ अरबों की सिंध विजय का वृतांत "चचनामा" मे है जिसके लेखक अली अहमद है।

अष्टाध्यायी :- इस पुस्तक के लेखक → पाणिनी
→ यह संस्कृत भाषा व्याकरण की प्रथम पुस्तक है।
→ इसमे मौर्य काल व उससे पहले की राजनितिक व्यवस्था का पता चलता है।

गार्गी संहिता → इसके लेखक → कत्यायन
→ यह एक ज्योतिष ग्रंथ है।
→ इसमें हमे भारत पर होने वाले यवन आक्रमण का वर्णन मिलता है।

महाभाष्य :- इसके रचनाकार → पतंजली
→ पतंजलि पुष्यमित्र शुंग के पुरोहित थे।
→ इसमें हमे शुंग वंश के इतिहास का पता चलता है,

Scanned by CamScanner

÷ विदेशी यात्रियों के वृत्तांत से मिली जानकारी ÷

→ हेरोडोटस को इतिहास का जनक कहा जाता है। इसकी पुस्तक → हिस्टोरिका

→ मेगस्थनीज → यह सेल्युकस निकोटर का राजदूत था जो चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार मे आया।
→ इसने अपनी पुस्तक इण्डिका में मौर्य साम्राज्य के बारे मे लिखा है।

→ टॉलमी :- इसने दूसरी शताब्दी मे भारत का भूगोल नामक पुस्तक लिखी।

→ फाहियान → यह चीनी यात्री गुप्त वंश के शासक चन्द्रगुप्त द्वितीय के दरबार मे आया।

→ ह्वेनसाँग :- यह हर्षवर्धन के शासनकाल मे भारत आया।
यह 629 ई० में भारत आया।
→ इसने अपनी पुस्तक सि-यू-की मे अपने काल के भारत का वर्ण किया है।

अलबरूनी :- यह महमूद ग़ज़नवी के साथ अरब से भारत आया।
→ इसकी पुस्तक → किताब-उल-हिन्द या तहकीक-ए-हिन्द'

इब्नबतूता → यह मोरक्को का निवासी था।
→ यात्रा वृतांत → रिहला मे 14वी शताब्दी का वर्णन

तारानाथ → तिब्बत → "कंग्यूर" तथा "तंग्यूर" मे भारत का वर्णन

Scanned by CamScanner

÷ पुरातत्व संबंधी साक्ष्य ÷

→ मध्य भारत मे भागवत धर्म विकसित होने का प्रमाण यवन राजदूत "होलियोडोरस" के बेसनगर (विदिशा) गरुड़ स्तंभ लेख से प्राप्त होती है।

→ सर्वप्रथम भारतवर्ष का वर्णन हाथीगुम्फा अभिलेख (उड़िसा) मे मिलता है।

→ सर्वप्रथम भारत पर होने वाले हूण आक्रमण की जानकारी भीतरी स्तंभ लेख (UP) मे मिलता है।

→ सती प्रथा का पहला लिखित साक्ष्य भानुगुप्त एरण अभिलेख मध्यप्रदेश मे मिलती है।

→ रेशम बुनकर श्रेणी की जानकारी ~~मंदसो~~ मंदसौर अभिलेख (मध्य प्रदेश) से मिलती है,

→ कश्मीरी नवपाषाणिक पुरास्थल बुर्जहोम से गर्तावास (गड्ढा घर) के साक्ष्य मिले हैं।

→ प्राचीनतम सिक्कों को आहत सिक्के कहा जाता है। इसी को साहित्य मे कार्षापण कहा जाता है।

→ सर्वप्रथम सिक्को पर लेख लिखने का कार्य यवन शासकों ने किया।

→ समुद्रगुप्त की वीणा बजाते हुए हुई मुद्रा वाले सिक्के से उसके संगीत प्रेमी होने का प्रमाण मिलता है।

→ Shiv Jeet

÷ महत्वपूर्ण अभिलेख ÷

अभिलेख	शासक
1 हाथीगुम्फा अभिलेख (उड़िसा)	→ कलिंग राजा खारवेल
2 जूनागढ़ (गिरनार) अभिलेख	→ रुद्रदामन
3 नासिक अभिलेख	→ गौतमी बलश्री
4 प्रयाग स्तंभलेख	→ समुद्रगुप्त
5 ऐहोल अभिलेख	→ पुलकेशियन II
6 मन्दसौर अभिलेख	→ मालवा नरेश यशोवर्मन
7 ग्वालियर "	→ प्रतिहार नरेश भोज
8 भितरी एवं जूनागढ़ अभिलेख	→ स्कन्दगुप्त
9 देवपाड़ा अभिलेख	→ बंगाल शासक विजयसेन

Scanned by CamScanner

→ अभिलेखों का अध्ययन → इपीग्राफी
→ उतर भारत के मन्दिरों की कला शैली → नागर शैली
→ दक्षिण भारत के मन्दिरों की कला शैली → द्रविड़ शैली
→ दक्षिणापथ मन्दिरों पर नागर तथा द्रविड़ का प्रभाव है अतः यह वेशर शैली कहलाती है।

÷ सिन्धु घाटी सभ्यता ÷

→ सिन्धु घाटी सभ्यता का ~~कार्यकाल~~ समयकाल 2500 ई०पू० से 1750 ई०पू० माना गया है।
→ इसे हड़प्पा सभ्यता, कांस्य युगीन सभ्यता भी कहा जाता है।
→ सिंधु घाटी की खोज रायबहादुर दयाराम साहनी ने की।
→ हड़प्पा सभ्यता का विस्तार उतर मे मांडा (J&K) दक्षिण मे दायमाबाद (महाराष्ट्र) पूर्व मे आलमगीरपुर (UP) तथा पश्चिम मे सुत्कागेंडोर (ब्लूचिस्तान, पाकिस्तान) तक है।

प्रमुख स्थल व खोजकर्ता

स्थल	नदी	खोजकर्ता
हड़प्पा →	रावि →	दयाराम साहनी → 1921 ई०
मोहनजोदड़ो →	सिंधु →	राखालदास बनर्जी → 1922 ई०
लोथल →	भोगवा →	रंगनाथ राव
कालीबंगन →	घघर →	अमलानंद घोष व ब्रजवासी लाल
बनावली →	घाघर →	R.S बिष्ट - 1973-74
राखीगढ़ी →	सरस्वती →	सुरजभान
रोपड़ →	सतलज →	यज्ञदत शर्मा
आलमगीरपुर →	हिंडन →	~~R.S बिष्ट~~ यज्ञदत शर्मा
धौलावीरा →	लूना →	~~फजल~~ R.S बिष्ट
कोटदी जी →	सिंधु →	फजल अहमद
चन्हूदड़ो →	सिंधु →	गोपाल मजूमदार
सुतकांगेडोर →	दास्क →	मार्क आरेलस्टाइस

÷ सिंधु घाटी से प्राप्त साक्ष्य ÷

1 हड़प्पा :- कांसा गाड़ी, कांसा दर्पण, नटराज की मूर्ति, R-37 कब्रिस्तान, बैलगाड़ी के पहिए के निशान, स्वास्तिक 卐, काजल

2 मोहनजोदड़ो → कांसे की नर्तकी, पशुपतिनाथ की आकृति की मोहर, एक सिंग वाले पशु की आकृति, कूबड़ वाले सांड पशु की आकृति, विशाल अन्नागार, विशाल स्नानागार विशाल सभागार।

3 लोथल :- बंदरगाह, (पतन, जहाजों का गोदीवाड़ा), चावल, माप-तोल की इकाइयाँ → इनका अनुपात 1:16

4 कालीबंगा → काले रंग की चूड़ियाँ, जादू-टोने, अलंकृत ईंटे, सरसों, जुते हुए खेत, हवन कुण्ड

5 बनावाली → जौ के साक्ष्य, मिट्टी का बना खिलौना हल

6 रोपड़ → मानव व कुत्ते का एक साथ शव

7 धौलावीरा → बड़ा मैदान मुर्गों की लड़ाई के लिए, जल प्रबंध 16 तालाब।

~~÷ विशेष बातें ÷~~ Shiv Jeet

8 चन्हूदड़ो → मनके बनाने की फैक्ट्री, आयताकार ईंटें, इसकी किले बंदी नहीं थी; लिपस्टिक, काजल

÷ विशेष बातें ÷

→ हड़प्पा सभ्यता ग्रिड प्रणाली पर आधारित थी।
→ भवन पक्की ईंटों से बने होते थे।
→ कृषि → मुख्यतौर पर गेहूं, जौ, कपास सरसों इत्यादि,
  → कपास के जनक यही थे।
  → इस सभ्यता के लोगों को गन्ने का ज्ञान नहीं था।

Scanned by CamScanner

→ व्यापार के लिए वस्तु - विनिमय प्रणाली प्रचलित थी।

→ सबसे ज्यादा मातृदेवी की पूजा करते थे।

→ इस सभ्यता के लोग पीपल, बबूल व नीम जैसे वृक्षों की पूजा करते थे।

→ पक्षियों मे → घुग्गी Dove की पूजा।
पशुओं में → कुबड़वाला सांड की पूजा।

पशुपालन → हाथी, बैल, हिरण, बंदर, भालू, कुत्ता पालते थे।
→ इन्हें घोड़े, शेर व गाय ~~से~~ का ज्ञान नही था।
→ घोड़े का ~~अस्थि~~ अस्थिपिंजर → सुरकोटदा जी (गुजरात)

Shiv geet
9729504909

÷ वैदिक सभ्यता ÷ 1520 – 600 BC

→ वैदिक काल का विभाजन दो भागों में किया गया।

(i) ऋग्वैदिक काल 1520 – 1000 BC

(ii) उत्तरवैदिक काल 1000 – 600 BC

→ वैदिक सभ्यता के निर्माता → आर्य

→ आर्य का अर्थ ~~श्रेष्ठ~~ → श्रेष्ठ या कुलीन

÷ आर्यों को लेकर विभिन्न मत ÷

(i) आर्य मध्य एशिया से आए थे → मैक्स मूलर

(ii) आर्य आर्कटिक से आए थे → बाल गंगाधर तिलक

(iii) आर्य तिब्बत से आए थे → दयानंद सरस्वती

(iv) आर्य यूरोप से आए थे → विलियम जॉन्स

→ आर्यों की भाषा संस्कृत थी।

→ आर्यों का प्रिय पशु → घोड़ा

→ आर्य गाय को पवित्र मानते थे।

→ आर्यों का प्रमुख पेय पदार्थ → सोमरस

→ आर्यों के प्रमुख भोजन → दूध व इसके उत्पाद, यव (जौ की फसल)

→ आर्य सप्तसैंधव प्रदेश से आए थे।

→ दसराज्ञ युद्ध का वर्णन ऋग्वेद के 7वें मंडल में है यह युद्ध पुरुषणी नदी (रावी) के तट पर सुदास एवं दस जनों के बीच लड़ा गया। इसमें सुदास की विजय हुई।

→ आर्यों का समाज पितृप्रधान था।

→ जीवनभर अविवाहित रहने वाली महिलाओं को अमाजू कहा जाता था।

→ आर्यों का मुख्य व्यवसाय पशुपालन एवं कृषि था।

→ आर्यों का सर्वाधिक प्रिय देवता → इन्द्र

→ आर्यों द्वारा खोजी गई धातु लोहा थी जिसे श्याम अयस कहा जाता था।

→ उत्तरवैदिक काल में इन्द्र के स्थान पर प्रजापति सर्वाधिक प्रिय व्यक्ति हो गए।

Scanned by CamScanner

÷ ऋग्वैदिक कालीन नदियां व उनके पुराने नाम ÷

वर्तमान नाम	→	प्राचीन नाम
1 सिंधु	→	सिंधु
2 चिनाब	→	आस्किनी
3 ~~पुरुष्णी~~ रावि	→	पुरुषणी
4 झेलम	→	वितस्ता
5 सतलज	→	शतुद्री
6 व्यास	→	विपाशा
7 सरस्वती	→	दृष्द्वती
8 गंडक	→	सदानीरा
9 गोमती	→	गोमल
10 कुर्रम	→	कुभ्र
11 काबुल	→	कुभा
12 घग्घर	→	दृसद्वती
13 स्वात	→	सुवस्तु

÷ ऋग्वैदिककालीन देवता ÷

देवता	→	संबंध
इन्द्र	→	युद्ध व वर्षा का देवता
अग्नि	→	मनुष्य एवं देवता के बीच मध्यस्ता
वरुण	→	पृथ्वी एवं सूर्य के निर्माता, सत्य का प्रतीक, समुद्र का देवता
सोम	→	वनस्पति का देवता
पूषन	→	पशुओं का देवता
विष्णु	→	विश्व के संरक्षक व पालनकर्ता
मरुत	→	आँधी-तुफान का देवता

Scanned by CamScanner

→ उत्तरवैदिक काल में राजा के अभिषेक के समय राजसूय यज्ञ का अनुष्ठान किया जाता था।
→ सांख्य दर्शन भारत के सभी दर्शनों में प्राचीन है।
→ उत्तरवैदिक काल में कौशाम्बी नगर में पहली बार पक्की ईंटों का प्रयोग हुआ।
→ महाकाव्य दो है → महाभारत → महर्षि वेदव्यास
रामायण → महर्षि वाल्मिकी
→ महाभारत का पुराना नाम जयसंहिता है यह विश्व का सबसे बड़ा महाकाव्य है।
→ गोत्र नामक संस्था का जन्म उत्तरवैदिक काल में हुआ।

÷ उत्तरवैदिक काल 1000-600 ई०पू० ÷

→ स्थायी जीवन की शुरुआत उत्तरवैदिक काल में हुई।
→ उत्तरवैदिक काल में समाज जनपदों में विभाजित था।
→ उत्तरवैदिक समाज पितृसत्तात्मक था।
→ राजा की मदद के लिए मंत्रिपरिषद का गठन किया गया जिसे रत्नी कहा जाता था।
→ इस काल का मुख्य व्यवसाय कृषि था।
→ दूसरा मुख्य व्यवसाय पशुपालन था।
→ इस काल में लोग सुत कातना व वस्त्र बनाने का कार्य भी करते थे।
→ इस काल में वर्ण व्यवस्था कर्म आधारित न होकर जन्म आधारित थी।
→ उत्तरवैदिक काल में मनुष्य का जीवन चार भागों में बंटा था।
1. ब्रह्मचर्य → 0-25 वर्ष
2. गृहस्थ → 25-50 "
3. सन्यासी → 50-75 "
4. वनप्रस्थ → 75-100 "

→ इस काल के दो प्रमुख देवता → ब्रह्मा (प्रजापति)
विष्णु

Scanned by CamScanner

÷ बौद्ध धर्म ÷

→ बौद्ध धर्म की स्थापना महात्मा बुद्ध ने की।
→ महात्मा बुद्ध का जन्म 563 ई० पू० नेपाल के तराई के कपिलवस्तु के लुंबिनी वन में हुआ।
→ महात्मा बुद्ध के पिता का नाम शुद्धोधन था जो शाक्य कुल के प्रधान थे।
→ महात्मा बुद्ध की माँ महामाया कौशल राज्य की राजकुमारी थी।
→ महात्मा बुद्ध के जन्म के 7वें दिन उसकी माँ की मृत्यु हो गई।
→ महात्मा बुद्ध का पालन पोषण उसकी मौसी प्रजापति गौतमी ने किया। इनके बचपन का नाम → सिद्धार्थ
→ महात्मा बुद्ध को एशिया का ज्योति पुंज कहा जाता है।
→ महात्मा बुद्ध का 16 वर्ष की आयु में शाक्य कुल की कन्या यशोधरा से विवाह हुआ।
→ २९ वर्ष की आयु में महात्मा बुद्ध को एक पुत्र की प्राप्ति हुई जिसका नाम राहुल रखा गया।
→ २९ वर्ष की आयु में ५ परिस्थितियों को देखकर महात्मा बुद्ध ने घर छोड़ने का निश्चय किया। →
1) बूढ़ा व्यक्ति 2) बिमार व्यक्ति
3) मरा हुआ व्यक्ति 4) सन्यासी
→ फिर महात्मा बुद्ध ने अपने घोड़े कथक व छन्न के साथ घर छोड़ दिया। घर छोड़ने की प्रक्रिया को "महाभिनिष्क्रमण" कहा जाता है।
→ महात्मा बुद्ध के पहले गुरु → अलारकलाम
" " " दूसरे " → रुद्रकरण रामपुत्र
→ 35 वर्ष की आयु में 6 वर्ष की कठिन तपस्या के बाद गया (बिहार) के उरुवेल्ला में निरंजना नदी (फल्गु नदी) के किनार
↓ पीपल के वृक्ष के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई
→ इस घटना को सम्बोधी कहा गया।

Scanned by CamScanner

→ इन्होंने अपना पहला उपदेश सारनाथ (UP) मे दिया। इस घटना को धर्मचक्र परिवर्तन कहा जाता है।

→ महात्मा बुद्ध ने अपने उपदेश पाली भाषा मे दिए।

→ महात्मा बुद्ध ने सर्वाधिक उपदेश कौशल की राजधानी श्रावस्ती मे दिए।

→ इनके प्रमुख अनुयायी शासक बिम्बीसार, प्रसेनजित व उदयिन थे।

→ 80 वर्ष की आयु मे 483 ई०पू० मे कुशीनगर (UP) मे महात्मा बुद्ध की मृत्यु हो गई। इस घटना को महापरिनिर्वाण कहा जाता है।

→ बौद्ध धर्म मे भिक्षुओं के प्रवेश को उपसंपदा कहा जाता है।

→ बौद्ध धर्म के आरंभिक ग्रंथ पाली भाषा मे थे।

→ महात्मा बुद्ध के चार आर्य सत्य →

1. दुख 2. दुख समुदाय 3. दुख निरोध
4. दुख निरोध गामिनी प्रतिपदा

→ महात्मा बुद्ध का प्रिय शिष्य → आनंद (चन्दू)

:- महात्मा बुद्ध से संबंधित प्रतीक चिह्न :-

घटना	→ प्रतीक चिह्न
1. जन्म	→ कमल एवं सांड
2. गृहत्याग	→ घोड़ा
3. यौवन	→ सांड
4. ज्ञान	→ पीपल (बोधि वृक्ष)
5. निर्वाण	→ पद-चिह्न
6. मृत्यु	→ स्तूप
7. उपदेश	→ चक्र

Shiv jeet

→ महात्मा बुद्ध ने अंतिम उपदेश सुभद्र को कुशीनगर मे दिया।

→ बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए चार दिन अति महत्वपूर्ण होते है → अमावस्या, पूर्णिमा, दो चतुर्थी दिवस

Scanned by CamScanner

→ वैशाख पुर्णिमा को बुद्ध पूर्णिमा कहा जाता है क्योंकि इसी दिन महात्मा बुद्ध का जन्म हुआ, इसी दिन ज्ञान की प्राप्ति तथा इसी दिन मृत्यु हुई।
→ महात्मा बुद्ध के सबसे ज्यादा वर्षाकाल कौशल मे हुए।
→ महात्मा बुद्ध की मृत्यु से पहले वर्षाकाल वैशाली मे हुआ।
→ महात्मा बुद्ध ने अपने प्रिय शिष्य आनंद के कहने पर भिक्षुणी संघ की स्थापना की।
→ भिक्षुणी संघ की पहली अध्यक्ष → प्रजापति गौतमी
→ भिक्षुणी संघ की शुरुआत वैशाली से की थी।
→ हमे बौद्ध धर्म की जानकारी बौद्ध धर्म के ग्रंथ त्रिपिटक से मिलती है।
→ त्रिपिटक → विनयपिटक, सुतपिटक व अभिधम्मपिटक
→ तीनों पीटकों की भाषा पाली है।
→ बौद्ध धर्म के त्रिरत्न है → बुद्ध, धम्म तथा संघ।

÷ बौद्ध संगतियां ÷

→ बौद्ध धर्म मे कुल 5 संगतियां हुई है।

संगति	समय	स्थान	अध्यक्ष	शासनकाल
प्रथम बौद्ध संगीति →	483 ई०पू०	राजगृह →	महाकश्यप →	अजातशत्रु
द्वितीय " " →	383 ई०पू०	वैशाली →	साबाकामी →	कालाशोक
तृतीय " " →	251 ई०पू०	पाटलीपुत्र →	मोग्गलिपुत्त तिस्स →	अशोक
चतुर्थ " " →	पहली शताब्दी	कुंडलवन (कश्मीर →	वशुमित्र व अश्वघोष →	कनिष्क

→ पहली संगीति मे 2 पिटक जोड़े गए →
① विनय पिटक → यह पिटक उपाली के द्वारा जोड़ा गया)
→ इस पिटक मे संघ संबंधी नियम, दैनिक आचार-विचार और विधी निषेधो का संग्रह है।

Scanned by CamScanner

(ii) सुत पिटक → यह पिटक आनंद के द्वारा जोड़ा गया।
→ इसमे 10 निकाय है।
→ इसमे बौद्ध धर्म के सिधांतो व उपदेशो का संग्रह।
→ अंगुतर निकाय मे 16 महाजनपदों का वर्णन है।
→ 10वें निकाय मे महात्मा बुद्ध के जन्म से पूर्व की जातक कथाएं है।

Shiv Jeet

→ ~~इस~~ दूसरी संगीति मे अनुशासन के लेकर मतभेद के कारण बौद्ध धर्म के अनुयायी दो भागों मे बँट गए → महासंघिक व स्थवीर

→ तीसरी संगीति मे तीसरा पीटक अभिदम्भपिटक जोड़ा गया। इसमें बौद्ध धर्म के धार्मिक सिद्धांतों का संग्रह है।

→ चतुर्थ संगीति मे बौद्ध धर्म दो सम्प्रदायों मे बँट गया

1. हीनयान → हीनयान का अर्थ निम्नमार्गी या रूढ़िवादी है।
→ हीनयान ग्रंथ पाली भाषा मे है।
→ हीनयान महात्मा बुद्ध को महापुरुष मानते है तथा अविवाहित मानते हैं।
→ जिन्होंने महात्मा बुद्ध के अवशेषों को यों का यों स्वीकार किया हीनयानी कहलाए।

2. महायान :- महायान का अर्थ → उत्कृष्ट मार्ग
→ महायान के ग्रंथ संस्कृत भाषा मे है।
→ महायानी महात्मा बुद्ध को भगवान मानते है तथा विवाहित मानते है।
→ जिन्होंने महात्मा बुद्ध के उपदेशो ~~के~~ मे परिवर्तन किया वे महायानी कहलाए।

→ महात्मा बुद्ध ने अष्टमार्ग की बात कही
(i) सम्यक दृष्टि (ii) सम्यक संकल्प (iii) सम्यक वाणि (iv) सम्यक कर्मान्त (v) सम्यक आजीव (vi) सम्यक व्यायाम (vii) सम्यक स्मृति (viii) सम्यक समाधि

→ सांची के ~~स्त~~स्तूप (mp) का निर्माण अशोक मौर्य ने करवाया
→ विश्व का सबसे बड़ा स्तूप बोरोबदूर का स्तूप का निर्माण शैलेन्द्र वंश ~~IV~~ ने करवाया।

Scanned by CamScanner

÷ जैन धर्म ÷

→ जैन धर्म मे कुल २४ आचार्य | तीर्थंकर हुए है।
→ प्रथम तीर्थंकर → ऋषभदेव (आदिनाथ)
→ इनका प्रतीक चिह्न सांड है।
→ इन्होंने कैलाश पर्वत पर अपने प्राण त्याग दिए।
→ दूसरे तीर्थंकर → अजीतनाथ
→ इनका प्रतीक चिह्न हाथी है,
→ तीसरे तीर्थंकर → संभवनाथ
→ इनका प्रतीक चिह्न → घोड़ा।
→ सत्रहवें तीर्थंकर → कुंथुनाथ
→ इनका प्रतीक चिह्न → बकरा
→ उन्नीसवें तीर्थंकर → माल्लिकानाथ | मल्लीनाथ
→ इनका प्रतीक चिह्न → कलश
→ तेइसवें तीर्थंकर → पार्श्वनाथ
→ इनका प्रतीक चिह्न → सांप
→ पार्श्वनाथ बनारस के राजा अश्वसेन के पुत्र थे।
→ 30 वर्ष की आयु मे घर छोड़ दिया और 83 माह की तपस्या के बाद कैवल्य (सम्पूर्ण ज्ञान) प्राप्त हुआ।
→ पार्श्वनाथ के कुल ५ महाव्रत बताए →
(1) सत्य
(2) अहिंसा
(3) अस्तेय (चोरी न करना)
(4) अपरिग्रह (संपति अर्जित न करना)
→ पार्श्वनाथ के शिष्यों को निग्रन्थ कहा जाता है।
→ पार्श्वनाथ ने 100 वर्ष की आयु मे बंगाल की सम्मेद शिखर पर प्राण त्याग दिए।
→ जैन धर्म के २४ वें तीर्थंकर → महावीर स्वामि
→ महावीर स्वामी को ज्ञातृक मुनि भी कहा जाता है।
→ इनका प्रतीक चिह्न → सिंह
→ इनका जन्म 540 ई० पू० वैशाली (बिहार) के कुंडलग्राम मे हुआ

Scanned by CamScanner

→ इनके बचपन का नाम → वर्धमान
→ इनके पिता का नाम सिद्धार्थ था। जो ज्ञातृक क्षत्रियों के प्रधान थे।
→ इनकी माता का नाम त्रिशला था। जो लिच्छवी कुल के चेटक की बहन थी।
→ महावीर स्वामि की पत्नी का नाम यशोधा था जो कुण्डलीय गोत्र की थी।
→ इनकी पुत्री का नाम प्रियदर्शना (अणोज्जा) था।
→ प्रिय दर्शना के पति का नाम जमाली था जो महावीर स्वामि का पहला शिष्य था।
→ जमाली ने बहुतरवाद की स्थापना की।
→ महावीर स्वामि की पहली शिष्या चंपा के राजा की पुत्री चंदना थी।
→ महावीर स्वामि ने 30 वर्ष की आयु मे घर छोड़ा।
→ 12 वर्ष की तपस्या के बाद महावीर स्वामि को जुम्भिका ग्राम मे ऋजुपालिका नदी के किनारे साल के वृक्ष के नीचे कैवल्य की प्राप्ति हुई।
→ महावीर स्वामि को 42 वर्ष की आयु मे ज्ञान प्राप्त हुआ।
→ इन्होने पहला उपदेश राजगृह (बिहार) में दिया।
→ कैवल्य प्राप्ति के बाद जैन के नाम से प्रसिद्ध हुआ
→ जैन का अर्थ → अज्ञान को छोड़कर ज्ञान को प्राप्त करना।
→ महावीर स्वामि को जैन धर्म का वास्तविक संस्थापक माना जाता है।
→ 468 ई.पू. मे 72 वर्ष की आयु मे पावापुरी (बिहार) मे इनकी मृत्यु हो गई। जैन धर्म मे मृत्यु को निर्वाण कहा जाता है।
→ महावीर स्वामि के 11 शिष्य थे। महावीर की मृत्यु तक 10 शिष्यो की मृत्यु हो चुकी थी। केवल सुधर्मन (सुधर्मा) बचा था।
→ सुधर्मन जन संघ पहला अध्यक्ष बना।

Scanned by CamScanner

→ महावीर स्वामि ने 5वां महाव्रत ब्रह्मचर्य जोड़ा था।
→ जैन धर्म के अनुयायियों को चार भागों में बांटा गया है।

1. श्रावक व श्राविका → गृहस्थ जीवन व्यतीत करने वाले
2. भिक्षु व भिक्षुणी → सन्यासी जीवन व्यतीत करने वाले

÷ जैन संगीतियां ÷

संगीति	समय	स्थान	अध्यक्ष
प्रथम संगीति →	322-298 ई.पू.	पाटलीपुत्र →	स्थूलभद्र
द्वितीय " →	300-313 ई.पू.	मथुरा →	आर्य स्कंदिल
तृतीय " →	453 ई.पू.	वल्लभी (गुजरात) →	देवर्धी क्षमाश्रमण

पहली संगीति → इसमें जैन धर्म के 12 अंगों को संपन्न किया गया।
→ इससे पहले इन्हें पूर्व के नाम से जाना जाता था तथा इनकी संख्या 14 थी।
→ इसके बाद जैन धर्म दो भागों में बँट गया →

1. श्वेताम्बर → इसका संस्थापक → स्थूलभद्र था।
   → ये सफेद वस्त्र पहनते हैं
   → महावीर स्वामि को भगवान व विवादित मानते है,
   → श्वेताम्बर 19वें तीर्थंकर मल्लीनाथ को स्त्री मानते हैं
2. दीगम्बर → इसका संस्थापक भद्रबाहू था
   → जो जैन धर्म के अनुयायी दक्षिण में गए दीगम्बर कहलाए।
   → महावीर स्वामि को महापुरुष व अविवादित मानते है।
   → 19वें तीर्थंकर मल्लीनाथ को पुरुष मानते है,

द्वितीय संगीति → इस संगीति में धर्मग्रंथों को लिपिबद्ध करने का काम शुरू हुआ।

Scanned by CamScanner

तृतीय संगीति → इसमें लिपिबद्ध कर दिया तथा 12वें अंग
दृष्टिवाद को समाप्त कर दिया।

÷ प्रमुख बातें ÷

→ जैन धर्म मे कृषि व लड़ाई करने की मनाही है।
→ जैन धर्म मे आत्मा की मान्यता परंतु ईश्वर की नहीं।
→ जैन साहित्य को आगम कहा जाता है। जिनकी भाषा अर्द्धमागधी है
→ जैन धर्म के प्रसिद्ध ग्रंथ "भगवतीसूत्र" मे 16 महाजनपदों का वर्णन है।
→ जैनधर्म के तीर्थस्थल →
(1) आयोध्या → 5 तीर्थकरो का निर्वाण
(2) सम्मेद शिखर (झारखण्ड) → 20 तीर्थकरो का निर्वाण
(3) कैलाश पर्वत
→ निर्वाण प्राप्त के लिए विधी → संलेखना या संथारा विधी
→ दिलवाड़ा के जैन मन्दिर का निर्माण विमलशाह ने माउंट आबू मे बनवाए।
→ श्रावण बेलगोला (कर्नाटक) मे गोमतेश्वर की मूर्ति है।

Shiv geet

Scanned by CamScanner

÷ मगध साम्राज्य ÷

→ 16 महाजनपदो में से सबसे महत्वपूर्ण मगध था। इसके दो कारण →

(i) चावल की खेती की शुरुआत

(ii) लोहे का विशाल भंडार

÷ हर्यक वंश ÷

→ मगध पर सबसे पहले हर्यक वंश का उदय हुआ।

→ इस वंश का संस्थापक बृहद्रथ था। मगध का वास्तविक संस्थापक बिम्बिसार को मानते है।

1. बिम्बिसार → 544 ई॰पू॰ से 492 ई॰पू॰
   - → बिम्बिसार ने अपनी राजधानी राजगृह (बिहार) को बनाया
   - → बिम्बिसार ने अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए वैवाहिक संबंधो का सहारा लिया।
   - → बिम्बिसार की 492 ई॰ मे उसके पुत्र अजातशत्रु ने हत्या कर दी।

अजातशत्रु → 492 ई॰पू॰ से 460 ई॰पू॰
- → अजातशत्रु बौद्ध धर्म का अनुयायि था।
- → अन्य नाम → कुणिक, पितृहन्ता
- → अजातशत्रु ने लिच्छवी की राजधानी वैशाली को जीतकर मगध मे मिलाया।
- → इसी के समय पहली बौद्ध संगति हुई।
- → 460 ई॰पू॰ इसके पुत्र उदयिन ने इसकी हत्या कर दी।

उदयिन → 460 ई॰पू॰ से 444 ई॰ पू॰
- → इसने गगां और सोम नदी के तट पर पाटलीपुत्र की स्थापना की। इसका प्राचीन नाम कुसुमपुरा था। और वर्तमान मे हम इसे पटना के नाम से जानते हैं।
  - ↳ यह नाम शेरशाह सूरी ने रखा
- → उदयिन ने ~~पटना~~ पाटलीपुत्र को अपनी राजधानी बनाया
- → यह जैन धर्म का अनुयायि था।

Scanned by CamScanner

→ हर्यक वंश का अंतिम शासक → नागदक
→ नागदशक की हत्या उसके सेनापति शिशुनाग ने की।

÷ महत्वपूर्ण बातें ÷

→ हर्यक वंश को पितृ हत्यारा वंश कहा जाता है।
→ महात्मा बुद्ध व महावीर स्वामि • राजा बिंबिसार के सम्मकालीन थे।
→ बिंबिसार का राजवैद्य जीवक ने चण्डप्रदोत के पीलिया का इलाज किया।
→ अंग के राजा ब्रह्मदत को बिंबिसार ने हराया।

÷ नागवंश ÷

Shiv Jeet

→ हर्यक वंश के बाद नागवंश का उदय हुआ।
→ नागवंश की स्थापना शिशुनाग ने ५१२ई० मे की।

1 शिशुनाग → ५१२ई०पू० से ३९५ई०पू०
→ शिशुनाग ने कौशल, वत्स तथा अवंती को मगध मे मिलाया।
→ शिशुनाग ने अपनी राजधानी वैशाली को बनाया।

2 कालाशोक → ३९५ई०पू० से ३६६ई०पू० तक
→ कालाशोक को पुराणो मे कालवर्ण कहा जाता है।
→ कालाशोक ने पुनः पाटलीपुत्र को अपनी राजधानी बनाया।
→ इसके समय द्वीतिय बौद्ध संगीती हुई।

→ नाग वंश का अंतिम शासक → नन्दीवर्धन
→ नन्दीवर्धन ने एक ~~स्त्री~~ शुद्र स्त्री से शादी की जिसके एक पुत्र महापदमनंद हुआ।
→ महापदमनंद ने अपने पिता की हत्या कर दी।
→ महापद्मनंद को क्षत्रियों का नाश करने वाला कहा जाता है
→ भारत में सबसे पहले कलिंग (ओडिसा) मे नहर का निर्माण महापदमनंद ने करवाया।
→ महापद्मनंद के ८ पुत्र थे सबसे छोटा धनानंद शासक बना।
→ धनानंद की हत्या चन्द्रगुप्त मौर्य ने की। इस प्रकार नंद वंश का अंत हो गया।

Scanned by CamScanner

~~प्राचीन भारत पर~~

प्रमुख बातें नंद वंश की

→ कलिंग को जीतने वाला पहला राजा महापदमानंद था।

→ ~~अब~~ इस बात का प्रमाण हाथीगुम्फा अभिलेख (उडिसा) में मिलता है।

→ हाथीगुम्फा अभिलेख कलिंग के चेदी वंश के राजा खारवेल ने बनवाया।

→ धनानंद के समय ही सिकंदर ने भारत पर आक्रमण किया।

→ धनानंद का मंत्री चाणक्य था।

→ धनानंद का पुत्र चन्द्रु जिसे बाद मे चन्द्रगुप्त मौर्य के नाम से जाना गया।

भारत पर विदेशी आक्रमण

→ भारत पर पहला विदेशी आक्रमण 550 ई॰ पू॰ ईरान के सम्राट सायरस ने किया। परंतु वह असफल रहा।

→ भारत पर पहला सफल विदेशी आक्रमण 518 ई॰ पू॰ डेरियस I या दारा या दारयवहु प्रथम ने किया।

→ भारत पर आक्रमण करने वाले उस ईरानी वंश का नाम हखामनी था।

→ भारतीयों को अपनी सेनाओं मे शामिल करने वाला पहला विदेशी शासक डेरियस था।

Shiv Jeet

Scanned by CamScanner

÷ सिकन्दर ÷

→ सिकंदर मकदोनिया/ मेसीडोनिया का शासक था।

→ सिकंदर के गुरू अरस्तु, अरस्तु के गुरू → प्लेटो, प्लेटो के गुरू → सुकरात

→ ~~अरस्तु~~ अरस्तु ने सबसे पहले यह बताया धरती गोल है,

326 ई०पू० → सिकंदर ने सिंध पर आक्रमण किया।

→ यह युद्ध सिकंदर vs पोरस के बीच हुआ।

→ इस युद्ध को वितस्ता, झेलम व हाइडेस्पीज का युद्ध भी कहा जाता है।

→ सिकंदर अपने सेनापति सेल्युक्स निकेटर को पोरस के पास छोड़कर गया।

→ सिकंदर के सैनिकों ने व्यास / विपासा नदी को पार करने से मना कर दिया।

मृत्यु → सिकंदर की 323 ई०पू० को बेबीलोन (ईराक) में मलेरिया बुखार की वजह से मृत्यु हो गई।

→ सिकंदर को सिकंदरिया (अफ्रीका) में दफनाया गया

→ सिकन्दर ने दो नगर बसाए → 1. बुकाफेला नगर
2. निकैया नगर

→ सिकन्दर के घोड़े का नाम → बुकाफेला

Shiv Geet
97295-04909

Scanned by CamScanner

÷ मौर्य साम्राज्य ÷

→ मौर्य साम्राज्य की स्थापना चन्द्रगुप्त मौर्य ने की।
→ चन्द्रगुप्त मौर्य का प्रधानमंत्री → चाणक्य (विष्णुगुप्त, कौटिल्य)
↳ रचना → अर्थशास्त्र (संस्कृत)
↳ विषय → राजनीति
→ चाणक्य को भारत का मैक्यावेली कहा जाता है।
→ मैक्यावेली (इटली) की पुस्तक → The Prince
→ चन्द्रगुप्त मौर्य के अन्यनाम → (i) सैंड्रोकोट्स
(ii) एंड्रोकोट्स
→ बौद्ध ग्रंथों व जैन ग्रंथों में चन्द्रगुप्त मौर्य को क्षत्रिय बताया गया है।
→ विशाखदत्त द्वारा रचित मुद्राराक्षस में चन्द्रगुप्त मौर्य को निम्न कुल (शूद्र) बताया है।

305 ई०पू० → सिंधु में सेल्युकस निकोटर vs चन्द्रगुप्त मौर्य का युद्ध
303 ई०पू० → 303 ई०पू० की संधि में चन्द्रगुप्त मौर्य ने सेल्युकस निकोटर की बेटी हेलेना (कार्नेलिया) से विवाह किया।

→ पोरस ने सबसे पहले युद्ध में हाथियों का प्रयोग किया।
→ चन्द्रगुप्त मौर्य जैन धर्म को मानता था।
→ भद्रबाहु ने चन्द्रगुप्त मौर्य को जैन धर्म की शिक्षा दी।
→ दक्षिण भारत में जैन धर्म का प्रसार करने वाला संत → भद्रबाहु
→ श्रवणबेलगोला में चन्द्रगुप्त मौर्य ने संलेखना विधि से 298 ई०पू० प्राण त्याग दिए।
→ चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में सेल्युकस निकोटर का राजदूत मेगस्थनीज आया।
→ मेगस्थनीज ने "इंडिका" नामक पुस्तक ग्रीक भाषा में लिखी
→ इंडिका में दक्षिण भारत के पांड्य वंश का वर्णन है।
→ चन्द्रगुप्त मौर्य व सेल्युकस के बीच हुए युद्ध का वर्णन एप्पियानस ने किया।

Scanned by CamScanner

बिन्दुसार :- अन्य नाम → 1 अमित्रोचटस | अमित्रघात → यूनानी साहित्य ने दिया
2 सिंहसेन → जैन ग्रंथों
3 भद्रसार → पुराणों में

→ बिन्दुसार 298 ई०पू० मे शासक बना।
→ बिन्दुसार के शासनकाल मे तक्षशिला मे हुए विद्रोह को दबाने के लिए सुसीम व उसके बाद अशोक को भेजा।
→ इसके दरबार मे दो राजदूत आए →

Shiv Jeet

1 डाइमेकस → यह सीरिया देश का निवासी था।
→ इसे राजा एंटियोकस ने भेजा।
→ बिन्दुसार को यहाँ से बिना आग्रह किए मिठी शराब मिली।

2 डायोनिसस → यह मिस्र देश का निवासी था।
→ इसे राजा टॉलमी II (फिलाडेल्फस) ने भेजा।
→ बिंदुसार ने टॉलमी से मिठी शराब, अंजीर व दार्शनिक मांगा।

:- अशोक मौर्य :-

→ अशोक 269 ई०पू० मगध की राजगद्दी पर बैठा।
→ मास्की (कर्नाटक व गुर्जरा अभिलेख (mp) से पता चलता है कि अशोक मौर्य राजा था।
→ पुराणों मे इसे अशोकवर्धन नाम से पुकारा गया है।
→ भाबू बेरूट अभिलेख (राजस्थान) मे इसे प्रियदर्सी नाम से पुकारा गया है।
→ पिता का नाम → बिन्दुसार
→ माता का नाम → सुभद्रांगी
↳ इसे बौद्ध ग्रंथों में "धामा" कहा गया है,
→ राजा बनने से पहले अशोक अवन्ति व तक्षशिला का गवर्नर था।
→ तक्षशिला विद्रोह का दमन अशोक ने किया।
→ मौर्यों की राजधानी → पाटलीपुत्र

Scanned by CamScanner

→ अशोक ने अपने पुत्र महेन्द्र व पुत्री संघमित्रा को बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए श्रीलंका भेजा।

कलिंग का युद्ध → 261 ई० पू०

→ अशोक VS नंदराज

→ अशोक ने बौद्ध धर्म की शिक्षा उपगुप्त से ली।

→ अशोक के समय तीसरी बौद्ध संगीति हुई।

→ कलिंग की राजधानी → तोसली

∻ शिलालेख | अभिलेख ∻

→ अशोक शिलालेखों की भाषा प्राकृत थी। तथा लिपी ब्राह्मी थी।

→ अशोक के अभिलेखों की सबसे खोज पैथंलर ने की।

→ 1837 ई० मे जेम्स प्रिंसेप ने पहली बार इन अभिलेखों को पढ़ा।

→ कल्हण द्वारा रचित ~~राजतंर~~ राजतरंगिणी मे बताया गया है कि अशोक ने श्रीनगर की स्थापना की।

→ बृहत अभिलेख :- 14 :-

1 अभिलेख मे बलि की निंदा की गई है।

2 अभिलेख मे सभी जानवरों व व्यक्तियों की ~~की~~ चिकित्सा का उल्लेख।

5 अभिलेख में धर्म महामात्रों की नियुक्ति।

7 अभिलेख में तीर्थ यात्रा का वर्णन है → अशोक की

↳ यह सबसे बड़ा अभिलेख है।

8 अभिलेख मे तीर्थ स्थलों पर सिद्धांतों की व्याख्या है।

9 अभिलेख में विवाह, जन्म, मृत्यु के दौरान उत्सव बन्द हो।

13 अभिलेख मे कलिंग विजय का वर्णन है।

14 अभिलेख मे धार्मिक जीवन जीने की प्रेरणा है।

→ लघु अभिलेख → 13

1 ~~रुम्मिनदे~~ रुम्मिनदेई अभिलेख (नेपाल) → इसका विषय आर्थिक व्यवस्था से है। इसमे बताया गया है कि करों की दर को $\frac{1}{6}$ से घटाकर $\frac{1}{8}$ कर दिया गया।

→ यह अशोक का सबसे छोटा अभिलेख है

Scanned by CamScanner

→ इसी अभिलेख से पता चलता है कि महात्मा बुद्ध का जन्म लुम्बिनी वन मे हुआ।

स्तंभलेख → 7

1 इलाहाबाद स्तंभ अभिलेख UP → अकबर ने इसे इलाहाबाद किले मे स्थापित किया।

2 मेरठ UP
3 टोपरा HR
> फिरोजशाह तुगलक इन्हे दिल्ली ले आया

5 सारनाथ स्तंभ लेख UP → इसी से अशोक चक्र लिया गया है।
→ इसमें 4 शेर है किंतु 3 ही दिखाई देते है।
→ इसमे 4 पशुओं की आकृति है → शेर, बैल, घोड़ा, हाथी

→ शिलालेखों का जनक → अशोक
→ कौशाम्बी अभिलेख को रानी का अभिलेख कहा जाता है
→ अशोक का 14वाँ अभिलेख सबसे लम्बा है।
→ अशोक का शार-ए-कुना (कंदहार) अभिलेख ग्रीक एवं आर्मेइक भाषा मे है।
→ मौर्य वंश का अंतिम शासक बृहद्रथ था। जिसकी हत्या करके पुष्यमित्र शुंग ने 185 ई॰पू॰ मगध साम्राज्य मे शुंग वंश की नींव डाली।

÷ शुंग वंश ÷

Shivjeet

राजधानी → विदिशा
संस्थापक → पुष्यमित्र शुंग
↳ इसने दो अश्वमेध यज्ञ करवाए।
↳ इसने सांची स्तूप का पुर्ननिर्माण करवाया।
↳ बृहद स्तूप (mp) का निर्माण करवाया
↳ इसने मेनांडर / मिलिंद को हराया
↳ इसके दो दरबारी कवि →
पतंजली → "महाभाष्य" रचना
पाणिनी → "अष्टाध्यायी" रचना

Scanned by CamScanner

÷ यवन राज्य ÷

→ भारत पर सबसे पहला आक्रमण बैक्ट्रिया के शासक डेमिट्रियस ने किया।

→ हिन्द-यूनानी शासकों मे सबसे शक्तिशाली मिनाण्डर था जिसकी राजधानी शाकल (वर्तमान सियालकोट) थी।

→ मिनाण्ड ने नागसेन (नागार्जुन) से बौद्ध धर्म की शिक्षा ली।

→ भारत में सबसे पहले हिन्द-यूनानियों ने ही सोने के सिक्के जारी किए थे।

÷ शक साम्राज्य ÷

→ शक मूलत: मध्य एशिया के निवासी थे। वे चरागाह की खोज में भारत आए थे।

→ 58 ई०पू० मे उज्जैन के एक स्थानीय राजा ने शकों को पराजित करके बाहर खदेड़ दिया तथा विक्रमादित्य की उपाधि धारण की।

→ शकों पर विजय के उपलक्ष्य मे 58 ई०पू० में एक नया संवत विक्रम संवत के नाम से प्रारंभ किया।

→ शकों का सबसे प्रतापी राजा रुद्रदामन प्रथम था।

→ रुद्रदामन प्रथम ने काठियावाड़ मे मौर्यों द्वारा निर्मित अर्द्धशुष्क सुदर्शन झील का जीर्णोद्धार करवाया।

→ रुद्रदामन संस्कृत का बड़ा प्रेमी था।

→ इसने संस्कृत भाषा मे लम्बा अभिलेख गिरनार अभिलेख बनवाया

→ भारत मे शक राजा अपने को क्षत्रप कहते थे।

Shiv Jeet

Scanned by CamScanner

÷ कुषाण वंश ÷

→ कुषाण वंश का संस्थापक कुजुल कडफिसेस था।
→ इस वंश का सबसे प्रतापी राजा कनिष्क था। इसकी राजधानी पुरुषपुर (पेशावर) थी।
→ कुषाणों की द्वितीय राजधानी मथुरा थी।
→ कनिष्क ने 78 ई० में शक-संवत् चलाया।
→ कनिष्क का राजवैद्य आयुर्वेद का विख्यात विद्वान चरक था जिसने चरक संहिता की रचना की।
→ कनिष्क के शासनकाल में बौद्ध धर्म की चौथी संगीति का आयोजन कुंडलवन (कश्मीर) में किया गया।
→ "महाविभास सूत्र" के रचनाकार वसुमित्र हैं। इसे ही बौद्ध धर्म का विश्वकोश कहा जाता है।
→ कनिष्क के राजकवि अश्वघोष थे जिन्होंने बौद्धों की रामायण "बुद्ध बुद्धचरित" की रचना की।
→ भारत का आइन्सटीन नागार्जुन को कहा जाता है।
└रचना → माध्यमिक सूत्र
→ गांधार शैली एवं मथुरा शैली का विकास कनिष्क के समय हुआ।
→ कुषाण वंश का अंतिम शासक वासुदेव था।
→ कुषाण राजा देवपुत्र कहलाते थे।

÷ गुप्त साम्राज्य ÷

→ गुप्त साम्राज्य का संस्थापक श्रीगुप्त (240-280 ई०) था।
→ गुप्त वंश का प्रथम महान सम्राट चन्द्रगुप्त प्रथम 320 ई० में गद्दी पर बैठा।
→ चन्द्रगुप्त ने महाराजाधिराज" की उपाधि ली।
→ गुप्त संवत् (319-20 ई०) में चन्द्रगुप्त प्रथम ने की।
→ समुद्रगुप्त को भारत का नेपोलियन कहा जाता है।
→ समुद्रगुप्त का दरबारी कवि हरिषेण था जिसने इलाहाबाद प्रशस्ति लेख की रचना की।

Scanned by CamScanner

→ समुन्द्रगुप्त विष्णु का उपासक था।
→ समुन्द्रगुप्त संगीत प्रेमी था।
समुद्रगुप्त की उपाधियाँ → अश्वमेधकर्ता
→ कविराज
→ विक्रमांक

Shiv Jeet

→ समुद्रगुप्त का उत्तराधिकारी चन्द्रगुप्त द्वितीय 380 ई० में राजगद्दी पर बैठा।
→ चन्द्रगुप्त II के समय में चीनी यात्री फाहियान भारत आया।
→ शकों पर विजय के उपलक्ष्य में चन्द्रगुप्त II ने चाँदी के सिक्के ~~चला~~ चलाए।
→ नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना कुमारगुप्त ने की
→ स्कन्धगुप्त ने गिरनार पर्वत पर स्थित सुदर्शन झील का पुनरुद्धार करवाया।
→ गुप्त वंश के शासक भानुगुप्त के 510 ई० के ~~ऐरण~~ ऐरण अभिलेख से सती प्रथा के प्रथम प्रमाण मिले है।
→ गुप्त वंश का अंतिम शासक विष्णु शर्मा था।
→ गुप्तकाल में उज्जैन सर्वाधिक महत्वपूर्ण व्यापारिक केन्द्र था।
→ गुप्तकाल की राजकीय भाषा संस्कृत थी।
→ गुप्तकालीन स्वर्ण मुद्रा को दिनार कहा जाता था।
→ गुप्तकाल को भारती इतिहास का स्वर्ण युग कहा जाता है।
→ पंचतंत्र की रचना विष्णुगुप्त ने की थी।
→ अजंता की गुफाएं बौद्ध धर्म की महायान शाखा से संबंधित है,
→ आर्यभट्ट की रचनाएं →1. आर्यभटीयम
2. सूर्य सिद्धांत
↳ इसी ने सर्वप्रथम यह बताया कि पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है।
→ चन्द्रगुप्त II के शासनकाल का प्रसिद्ध संस्कृत कवि कालीदास थे।
→

Scanned by CamScanner

÷ पुष्यभूति वंश या वर्धन वंश ÷

पुष्यभूति वंश के संस्थापक पुष्यभूति थे। इनकी राजधानी थानेसर (कुरुक्षेत्र, हरियाणा) थी।

राज्यवर्धन की मृत्यु के बाद 606 ई० में हर्षवर्धन थानेश्वर की गद्दी पर बैठा →

हर्षवर्धन → जन्म → 590 ई०
मृत्यु → 647 ई०
शासनकाल → 606-647 ई०

पिता → प्रभाकरवर्धन
भाई → राज्यवर्धन
माता → यशोमती
बहन → राज्यश्री

→ हर्षवर्धन की बहन राज्यश्री का विवाह कन्नौज के मौखरी राजा ग्रहवर्मा से हुआ।
→ मालवा के शासक देवगुप्त ने ग्रहवर्मा की हत्या कर दी तथा देवगुप्त से बदला लेने के लिए राज्यवर्धन ने उसकी हत्या कर दी।
→ देवगुप्त के मित्र गौड़ नरेश शशांक ने राज्यवर्धन की हत्या कर दी।
→ Note :- शशांक ने बोधीवृक्ष (बोधगया) को कटवा दिया था।
→ हर्ष को शिलादित्य के नाम से भी जाना जाता है इसने परमभट्टारक नरेश की उपाधि ली।
→ हर्ष ने शशांक को पराजित कर कन्नौज पर अधिकार कर लिया तथा इसे अपनी राजधानी बना लिया।
→ हर्ष का दरबारी कवि → बाणभट्ट
↳ रचनाएं → हर्षचरित, व कादम्बरी
→ हर्ष ने संस्कृत भाषा में तीन नाटक लिखे → रत्नावली
नागानंद
प्रियदर्शिका

Scanned by CamScanner

→ हर्ष के शासनकाल में चीनी यात्री ह्वेनसांग भारत आया।
→ ह्वेनसांग 629 ई० में भारत आया तथा 645 ई० में वापिस गया।
→ ह्वेनसांग 634 ई० - 644 ई० तक थानेसर में रहा।
→ इसकी पुस्तक → सी० यू० की०
→ इसे यात्रियों का राजकुमार, नीति का पंडित व वर्तमान शाक्यमुनि कहा जाता है।
→ 634-35 ई० में हर्ष व पुलकेशियन II के बीच नर्मदा नदी के किनारे युद्ध हुआ। इस युद्ध में हर्षवर्धन की हार हुई।
↳ इस युद्ध का वर्णन ऐहोल अभिलेख में मिलता है।
→ इनके शासनकाल में हूण जाति आक्रमण करती थी।
→ हर्षचरित में हरियाणा को श्रीकंठ जनपद कहा गया है।
→ कुंभ मेले की शुरुआत हर्षवर्धन ने की थी।
→ महाराजा हर्षवर्धन के बाद गुर्जर प्रतिहार वंश ने शासन किया।
→ हर्षवर्धन को अंतिम हिन्दू सम्राट कहा जाता है।
→ पुलिस कर्मियों को चार या शार कहा गया।
→ हर्षचरित में सिंचाई साधन के रूप में तुलायंत्र (जलपंप) का उल्लेख मिलता है।

Shiv Jeet
9729504907

Scanned by CamScanner

÷ दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश ÷

1. **पल्लव वंश** → इस वंश की स्थापना सिंहविष्णु ने की।
   → इसकी राजधानी काँची (तमिलनाडु) थी।
   → महाबलीपुरम के एकाश्म मन्दिर जिसे रथ मन्दिर कहा जाता है। का निर्माण पल्लव राजा नरसिंहवर्मन प्रथम द्वारा करवाया गया।
   → काँची के कैलाशनाथ मंदिर जिसे राजसिंहेश्वर मंदिर भी कहा जाता है का निर्माण नरसिंहवर्मन II ने करवाया।
   → वातापीकोण्ड की उपाधि नरसिंहवर्मन प्रथम ने धारण की।
   → दशकुमारचरित के लेखक दण्डी नरसिंहवर्मन II के दरबार मे रहते थे।
   → पल्लव वंश का अंतिम शासक अपराजितवर्मन था।

2. **राष्ट्रकूट वंश** → राष्ट्रकूट वंश की स्थापना 752ई० मे दन्तिदुर्ग ने की।
   → इसकी राजधानी मनकीर या मान्यखेत थी।
   → एलोरा के प्रसिद्ध कैलाश मन्दिर का निर्माण कृष्ण प्रथम ने करवाया।
   → राष्ट्रकूट वंश का अंतिम महान शासक कृष्ण तृतीय था।
   → एलोरा एवं एलीफेंटा (महाराष्ट्र) गुफा मंदिरों का निर्माण राष्ट्रकूट शासकों के समय हुआ।

3. **चालुक्य वंश** → कल्याणी के चालुक्य वंश की स्थापना तैलप -II ने की। इसकी राजधानी मान्यखेट थी।

Scanned by CamScanner

→ मिताक्षरा नामक ग्रंथ की रचना विज्ञानेश्वर ने की।

→ विक्रमांकदेवचरित की रचना विल्हण की।

4 चालुक्य वंश (वातापी) → वातापी के चालुक्य वंश की स्थापना जयसिंह ने की।

→ पुलकेशिन II ने हर्ष को हराकर परमेश्वर की उपाधि धारण की। तथा इसने दक्षिणापथीश्वर की उपाधि भी धारण की।

5 चालुक्य वंश (वेंगी) → इस वंश की स्थापना विष्णुवर्धन ने की।

→ इस वंश का सबसे प्रतापी राजा विजयादित्य तृतीय था।

Shiv Jeet

÷ चोल वंश ÷

→ चोल वंश की स्थापना विजयालय ने की।

→ इनकी राजधानी तंजौर या तंजावुर थी।

→ राजराज -I ने श्रीलंका पर आक्रमण किया।

→ चोल साम्राज्य का सर्वाधिक विस्तार राजेन्द्र प्रथम के शासनकाल मे हुआ।

→ तंजौर में राजराजेश्वर का शिवमंदिर राजराज -I ने बनवाया।

→ चोल वंश का अंतिम शासक राजा राजेन्द्र - III था।

÷ कुछ अन्य प्रमुख वंश ÷

गुर्जर प्रतिहार वंश → इस वंश का स्थापना मालवा सम्राट नागभट्ट प्रथम गुर्जर प्रतिहार ने की।

→ गुर्जर प्रतिहार वंश का सबसे शक्तिशाली एवं प्रतापी राजा मिहिर भोज था।

→ मिहिर भोज ने अपनी राजधानी कन्नौज मे बनाई।

→ इस वंश का अंतिम शासक यशपाल था।

→ दिल्ली नगर की स्थापना तोमर नरेश अनंगपाल ने 11वीं सदी में की।

Scanned by CamScanner

÷ गहड़वाल (राठौर) वंश ÷

→ गहड़वाल वंश का संस्थापक चन्द्रदेव था। इसकी राजधानी वाराणसी थी।
→ इस वंश का सबसे शक्तिशाली राजा गोविन्दचन्द्र था।
→ इस वंश का अंतिम शासक जयचन्द्र था, जिसे मुहम्मद गोरी 1194 ई० के चन्दावर युद्ध में मार दिया था।

÷ चाहमान या चौहान वंश ÷

→ चौहान वंश का संस्थापक वासुदेव था।
→ अजयराज द्वितीय ने अजमेर की स्थापना की।
→ पृथ्वीराज III इस वंश का अंतिम शासक था।
→ 1191 ई० में तराइन का प्रथम युद्ध हुआ मुहम्मद गोरी व पृथ्वीराज चौहान के बीच हुआ जिसमे पृथ्वीराज की विजय हुई।
→ 1192 ई० तराइना के दूसरे युद्ध मे पृथ्वीराज तृतीय की हार हुई।
→ पृथ्वीराज तृतीय का राजकवि → चन्दबरदाई
↳ रचना → पृथ्वीराज रासो

÷ चन्देल वंश ÷

→ चन्देल वंश की स्थापना 831 ई० मे नन्नुक ने की
→ इसकी राजधानी खुजराहो थी। प्रारंभ मे इनकी राजधानी कालींजर थी।
→ चन्देल वंश का प्रथम स्वतंत्र व सबसे प्रतापी राजा यशोवर्मन था।
→ चन्देल वंश का अंतिम शासक परमर्दिदेव था।

÷ सोलंकी वंश ÷

→ सोलंकी वंश का संस्थापक मूलराज प्रथम था। इसकी राजधानी अन्हिलवाड़ थी।
→ भीम प्रथम के शासनकाल में महमूद गजनी ने सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण किया।
→ दिलवाड़ा जैन मन्दिर का निर्माण → भीम प्रथम

Scanned by CamScanner

→ सोलंकी वंश का सबसे शक्तिशाली शासक जयसिंह सिद्धराज था।
→ मोढेरा के सूर्य मन्दिर का निर्माण सोलंकी वंश के शासनकाल में हुआ।
→ सोलंकी वंश का अंतिम शासक भीम द्वितीय था।

÷ सिसोदिया वंश ÷

→ सिसोदिया वंश के शासक अपने आपको सूर्यवंशी कहते थे।
→ इस वंश के शासक मेवाड़ पर शासन करते थे। जिसकी राजधानी चितौड़ थी।
→ अपनी विजयों के उपलक्ष्य में विजयस्तंभ का निर्माण राणा कुम्भा ने चितौड़ में करवाया।
→ खातौली का युद्ध 1518 ई. में राणा सांगा एवं इब्राहिम लोदी के बीच हुआ।

Shiv Jeet

Scanned by CamScanner

विश्व का इतिहास

WORLD HISTORY

Scanned by CamScanner

÷ पुनर्जागरण ÷

→ भारतीय इतिहास मे पुनर्जागरण का पिता → राजा राममोहन राय
→ राजाराम मोहन राय ने 1828 ई० मे ब्रह्म समाज की स्थापना।
→ पुनर्जागरण का प्रारंभ इटली के फ्लोरेंस नगर से माना जाता है।
→ इटली के महान कवि दांते को पुनर्जागरण का अग्रदूत माना जाता है।
→ पेट्रॉक का मानववाद का संस्थापक माना जाता है।
→ आधुनिक विश्व का प्रथम राजनीतिक चिंतक फ्लोरेंस निवासी मैकियावेली को कहा जाता है।
→ आधुनिक राजनीतिक दर्शन का जनक मैकियावेली को कहा जाता है
→ मैकियावेली की पुस्तक → The Prince
→ लियोनार्दो द विंची 'द लास्ट सपर' और "मोनालिसा" नामक अमर चित्रों के कारण प्रसिद्ध है।
→ पुनर्जागरण काल मे चित्रकला का जनक → जियोटो
→ पुनर्जागरण काल का सर्वश्रेष्ठ निबंधकार ~~इंग्लैण्ड~~ का फ्रांसीसी बेकन था।
→ मार्टिन लूथर ने जर्मन भाषा मे बाइबल का अनुवाद किया।
→ "रोमियो एण्ड जुलियट" शेक्सपीयर (इंग्लैण्ड) की अमर कृति है।
→ "पृथ्वी सौरमंडल का केन्द्र है" → कोपरनिक्स
→ "ग्रह सूर्य के चारो ओर घूमते है" → केप्लर
→ न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के नियम का ~~पता~~ पता लगाया।
→ धर्म सुधार आन्दोलन का प्रवर्तक जर्मनी निवासी मार्टिन लूथर था।
→ प्रशान्त महासागर का नामकरण स्पेन निवासी मैगलन ने किया।
→ अमेरिका की खोज क्रिस्टोफर कोलंबस ने की।
→ समुद्री रास्ते से सम्पूर्ण विश्व का चक्कर लगाने वाला प्रथम व्यक्ति → मैगलन
→ धर्मसुधार आन्दोलन को प्रांतः कालीन तारा जॉन विक्लिफ ने कहा।

Scanned by CamScanner

÷ अमेरिका का स्वतंत्रता संग्राम ÷

→ अमेरिका मे ब्रिटिश औपनिवेशिक साम्राज्य की नींव जेम्स प्रथम के शासनकाल मे डाली गई।

→ अमेरिका स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान इंग्लैण्ड का शासक जॉर्ज तृतीय था।

→ रेड इंडियन अमेरिका के मूल निवासी थे।

→ अमेरिकी क्रांति का जनक → जॉर्ज वाशिंगटन
↳ अमेरिका के पहले राष्ट्रपति)

→ अमेरिका को पूर्ण स्वतंत्रता 4 जुलाई 1776 ई० को मिली।

→ अमेरिका का स्वतंत्रता का युद्ध 1783 ई० मे पेरिस सन्धि के तहत खत्म हुआ।

→ "प्रतिनिधित्व नहीं तो कर नहीं" का नारा सैमुअल एडमस ने दिया।

→ सप्तवर्षीय युद्ध इंग्लैण्ड व फ्रांस के बीच 1756 ई० से 1763 ई० के बीच हुआ।

→ 16 दिसंबर 1773 ई० मे बोस्टन को चाय पार्टी का नेतृत्व सैमुअल एडम्स ने किया।

→ अमेरिकन फिलोसोफिकल सोसायटी की स्थापना बेंजामिन फ्रेंकोलीन ने की।

→ प्रजातंत्र की सर्वप्रथम स्थापना अमेरिका मे हुई। इसे ही आधुनिक गणतंत्र की जननी कहा जाता है। धर्मनिरपेक्षता की स्थापना भी सर्वप्रथम अमेरिका मे हुई।

→ 1789 ई० मे अमेरिका का संविधान बना।
↳ यह विश्व का पहला और सबसे छोटा संविधान है।
↳ यह विश्व का सबसे कठोर संविधान है।
↳ अमेरिका विश्व का पहला देश है जिसने मनुष्यों की समानता तथा मौलिक अधिकारों की घोषणा की।

→ अमेरिकी गृहयुद्ध की समाप्ति 26 मई ~~1865~~ 1865 ई० को हुई

"प्रजातंत्र जनता का, जनता के द्वारा और जनता के लिए शासन है" → अब्राहम लिंकन

Scanned by CamScanner

÷ फ्रांस की क्रांति ÷

→ फ्रांस की क्रांति 1789 ई० मे लुई सोलहवें के शासनकाल मे हुई।
→ समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का नारा फ्रांस की क्रांति की देन है।
→ "मै ही राज्य हूँ और मेरे शब्द ही कानून है" यह कथन लुई चौदहवाँ का है।
→ "सौ चूहो की अपेक्षा एक सिंह का शासन उत्तम है" → वाल्टेयर
→ "कानून की रचना" के लेखक → मोंटेस्क्यु
→ मापतोल की दशमलव प्रणाली फ्रांस की देन है।
→ 1804 ई० मे नेपोलियन बोनापार्ट शासक बना।
→ आधुनिक फ्रांस का निर्माता नेपोलियन को माना जाता है।
→ नेपोलियन ने ही सर्वप्रथम इंग्लैण्ड को "बनियो का देश" कहा था।
→ ट्राफलगर का युद्ध 21 अक्तुबर 1805 ई० मे इंग्लैण्ड व नेपोलियन के बीच हुआ।
→ नेपोलियन ने बैंक ऑफ फ्रांस की स्थापना 1800 ई० मे की।
→ नेपोलियन ने कानूनो का संग्रह करवाया जिसे नेपोलियन का कोड कहा जाता है।
→ मित्र राष्ट्रों ने नेपोलियन को 18 जून 1815 ई० मे वाटरलू युद्ध मे पराजित कर बंदी बना लिया।

Shiv Seet
97295-04909

Scanned by CamScanner

÷ इटली का एकीकरण ÷

→ इटली के एकीकरण का जनक → जोसेफ मेजिनी
→ इटली के एकीकरण की तलवार → गैरीबाल्डी
→ "यंग इटली" की स्थापना 1831 ई० में जोसेफ मेजिनी ने की।
→ कार्बोनरी सोसायटी का संस्थापक गिवर्ती था।
→ गैरीबाल्डी ने "लाल कुर्ती" नाम से सेना का गठन किया।
→ इटली के एकीकरण की शुरुआत लोमबार्डी और सार्डिनिया से हुई।
→ इटली राष्ट्र का जन्म 2 अप्रैल 1860 को माना जाता है।
→ 1871 ई० में रोम को संयुक्त इटली की राजधानी घोषित किया गया।
→ इटली का एकीकरण 1871 ई० में काउण्ट कावूर ने किया।
→ इटली की एकता का जन्मदाता नेपोलियन था।

÷ जर्मनी का एकीकरण ÷

→ जर्मनी का एकीकरण बिस्मार्क ने किया। बिस्मार्क प्रशा के शासक विलियम प्रथम का प्रधानमंत्री था।
→ जर्मनी में राष्ट्रीयता का संदेशवाहक नेपोलियन बोनापार्ट को माना जाता है।
→ जर्मनी राष्ट्रीय सभा को डायर नाम से जाना जाता था यह फ्रैंकफर्ट में होती थी।
→ विलियम प्रथम ने बिसमार्क को बाजीगर कहा था।
→ फ्रैंकफर्ट की संधि 10 मई 1871 ई० में फ्रांस व प्रशा के बीच हुई।
→ बिस्मार्क ने जर्मनी के सम्राट विलियम प्रथम का राज्याभिषेक वर्साय के महल में किया।
→ सूडान युद्ध के बाद जर्मनी का एकीकरण संभव हो सका।

Scanned by CamScanner

÷ रूसी क्रांति ÷

→ समाजवाद शब्द का प्रथम प्रयोग रॉबर्ट ओवेन ने किया।
→ आदर्शवादी समाजवाद का प्रवक्ता रॉबर्ट ओवेन को माना जाता है।
→ वैज्ञानिक समाजवाद का संस्थापक कार्ल मार्कस था।
→ कार्ल मार्क्स की पुस्तकें → दास कैपिटल
→ कम्युनिस्ट मेनिफेस्टो
→ "दुनिया के मजदूर एक हो" का नारा → कार्ल मार्क्स
→ रूस के शासक को जार कहा जाता था।
→ जार मुक्तिदाता के नाम से अलेक्जेंडर द्वितीय को जाना जाता है
→ रूस का अंतिम जार शासक → जार निकोलस द्वितीय
→ 1917 ई० मे रूसी क्रांति हुई जिसे बोलशेविक क्रांति भी कहा जाता है।
→ इसका मुख्य कारण प्रथम विश्वयुद्ध मे रूस की ~~हार~~ पराजय थी
→ रूस क्रांति का नेता लेनीन था।
→ शून्यवाद का जनक तुर्गनेव को माना जाता है।
→ रूसी साम्यवाद का जन्मदाता → प्लेखानोव
→ आधुनिक रूस का निर्माता स्टालिन को माना जाता है।
→ "मदर" की रचना मैक्सिम गोर्की ने की।
"Rights of Men" का लेखक → टॉमस पेन
→ प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान लेनिन का नारा था – युद्ध का अन्त करो।

Shiv Jeet
97295 04907

Scanned by CamScanner

÷ औद्योगिक क्रांति ÷

→ औद्योगिक क्रांति की शुरुआत इंग्लैंड से हुई।
→ इंग्लैण्ड में औद्योगिक क्रांति की शुरुआत सूती कपड़ा उद्योग से हुई।
→ 1814 ई० में जॉर्ज स्टीफेंशन ने पहला भाप से चलने वाला रेल इंजन शॉकेल बनाया
→ औद्योगिक क्रांति की दौड़ में जर्मनी इंग्लैण्ड का प्रतिद्वन्द्वी था।

÷ इंग्लैण्ड में क्रांति ÷

→ इंग्लैण्ड में गृह युद्ध चार्ल्स प्रथम के शासनकाल में 1642 ई० में हुआ।
→ इंग्लैण्ड में गौरवपूर्ण क्रांति 1688 ई० में हुई। उस समय इंग्लैंड का शासक जेम्स द्वितीय था।
→ गुलाबों का युद्ध इंग्लैण्ड में हुआ।
→ इंग्लैण्ड के सामन्तों ने राजा जॉन को 1215 ई० में एक अधिकार पत्र पर हस्ताक्षर करने को मजबूर किया। इस अधिकार पत्र को मैग्नाकार्टा कहा जाता है।
→ इंग्लैण्ड में गृह युद्ध सात वर्षों तक चला।
→ गृहयुद्ध के दौरान राजा के समर्थकों को कैवेलियर कहा गया था और संसद के समर्थकों को राउंड हैड्स कहा गया।

÷ चीनी क्रांति ÷

→ 1911 ई० में हुई चीनी क्रांति का नायक सनयात सेन था।
→ 1905 ई० में सनयात सेन ने तुंग-मेंग दल की स्थापना की।
→ 1911 ई० में हुई क्रांति के बाद चीन में गणतंत्र शासन पद्धति की शुरुआत हुई।
→ डॉ० सन्यात सेन के तीन सिद्धांत → राष्ट्रवाद, लोकतंत्रवाद व सामाजिक न्याय
→ डॉ० सनयात सेन को चीन का राष्ट्रपिता कहा जाता है।
→ चीन में गृह युद्ध 1928 ई० में शुरू हुआ।
→ चीनी साम्यवादी गणतंत्र का प्रथम अध्यक्ष माओत्से तुंग था।

Scanned by CamScanner

→ चीनी जनवादी गणराज्य का प्रथम प्रधानमंत्री चाऊ-एन-लाई था।
→ चीन के द्वार खोलने का श्रेय ब्रिटेन को जाता है।
→ चीन को "एशिया का मरीज" कहा जाता है।
→ चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना 1921 ई० में हुई।

÷ तुर्की ÷

→ तुर्की को 'यूरोप का मरीज' कहा जाता है।
→ आधुनिक तुर्की का निर्माता मुस्तफा कमाल पाशा को माना जाता है।
→ 23 अक्तुबर 1923 ई० को तुर्की गणतंत्र की घोषणा हुई।
→ तुर्की के नए गणतंत्र का राष्ट्रपति मुस्तफा कमाल पाशा हुआ।
→ 20 अप्रैल 1924 ई० को तुर्की के नए संविधान की घोषणा हुई।
→ रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी का संस्थापक मुस्तफा कमाल पाशा था।

÷ इटली मे फासिस्टों का उदय ÷

→ फासिज्म का सर्वप्रथम उदय इटली मे हुआ। इसका जन्मदाता मुसोलिनी को माना जाता है।
→ ड्यूस के नाम से मुसोलिनी को जाना जाता है।
→ इटली मे फासीवाद का अंत 28 अप्रैल 1945 ई० को हुआ।

÷ जर्मनी मे नाजीवाद ÷

→ जर्मनी मे नाजीदल का उत्थान एडोल्फ हिटलर के नेतृत्व मे हुआ।
→ 1920 ई० में हिटलर ने नेशनल सोशलिस्ट पार्टी या नाजीदल की स्थापना की।
→ जर्मन वर्क्स पार्टी का संस्थापक हिटलर था।
→ हिटलर की आत्मकथा → मीनकैम्प (मेरा संघर्ष)
→ 1933 ई० मे हिटलर जर्मनी का प्रधानमंत्री बना।
→ "एक राष्ट्र एक नेता" का नारा → हिटलर
→ हिटलर की विस्तारवादी नीति का पहली शिकार → आस्ट्रिया

Scanned by CamScanner

→ 1 सितंबर 1939 ई० को हिटलर ने पोलेंड पर आक्रमण किया।
→ हिटलर ने 30 अप्रैल 1945 ई० को आत्म हत्या कर ली।

÷ जापानी साम्राज्यवाद ÷

→ जापान के साम्राज्यवाद का सबसे पहला शिकार चीन हुआ।
→ जापान मे आधुनिकरण की प्रक्रिया की शुरुआत मूतसुहितो ने की।
→ 1872 ई० मे जापान ने सैनिक सेवा अनिवार्य कर दी थी।
→ 1905 ई० मे जापान ने रूस को हराया।
→ पीत आतंक नाम से जापान को संबोधित किया जाता है।
→ अमेरिका ने जापान पर पहला अणु बम 6 अगस्त 1945 ई० मे हिरोशिमा पर गिराया था।
→ अमेरिका ने जापान पर दूसरा बम 9 अगस्त 1945 ई० को नागासाकी पर गिराया था।
→ द्वितीय विश्व युद्ध मे 10 सितंबर 1945 ई० को जापान ने आत्म-समर्पण कर दिया।

÷ प्रथम विश्वयुद्ध 1914-1918 ई० ÷

→ प्रथम विश्व युद्ध की शुरुआत 28 जुलाई 1914 ई० को हुई इसमे 37 देशों ने भाग लिया।
→ प्रथम विश्वयुद्ध का तात्कालिक कारण आस्ट्रिया के राजकुमार आर्क ड्यूक फर्डिनेंड की बोस्निया की राजधानी सेराजेवा मे 28 जून 1914 ई० को हत्या कर दी गई।
→ प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान जर्मनी ने रूस पर 1 अगस्त 1914 ई० एवं फ्रांस पर 3 अगस्त 1914 ई० को आक्रमण किया।
→ 4 अगस्त 1914 को इंग्लैंड प्रथम विश्वयुद्ध मे शामिल हुआ।
→ 6 अप्रैल 1917 ई० को अमेरिका शामिल हुआ।
→ वर्साय की संधि 28 जून 1919 ई० को जर्मनी के साथ हुई।
→ प्रथम विश्वयुद्ध की समाप्ति 11 नवंबर 1918 ई० को हुई।

Scanned by CamScanner

द्वितीय विश्वयुद्ध 1939 ई० - 1945 ई० :

9729504909
Shiv Jeet

→ द्वितीय विश्वयुद्ध की शुरुआत 1 सितंबर 1939 ई० को जर्मनी द्वारा पोलैंड पर आक्रमण करने से हुई।

→ इसमें 61 देशों ने भाग लिया।

→ द्वितीय विश्वयुद्ध का तात्कालिक कारण जर्मनी का पोलैंड पर आक्रमण करना।

→ संयुक्त रूप से जर्मनी व इटली का पहला शिकार स्पेन था।

→ 8 दिसंबर 1941 ई० को अमेरिका शामिल हुआ।

→ वर्साय की संधि को आरोपित संधि के नाम से जाना जाता है।

→ द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मनी की पराजय का श्रेय रूस को दिया जाता है।

→ द्वितीय विश्वयुद्ध में मित्र राष्ट्रों द्वारा पराजित होने वाला अंतिम देश जापान था।

→ अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में द्वितीय विश्वयुद्ध का सबसे बड़ा योगदान 24 अक्तुबर 1945 ई० को संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना है।

Scanned by CamScanner

÷ प्रमुख गवर्नर ~~जनरल~~ जनरल व उनसे जुडी गतिविधियां ÷

→ बंगाल का पहला गवर्नर → रॉबर्ट क्लाइव

→ रॉबर्ट को भारत मे द्वैध शासन प्रणाली का जनक कहा जाता है।

वारेन हेस्टिंग्स → 1773 ई० से 1785 ई०

↳ भारत का पहला गवर्नर ~~जनरल~~ था।

↳ इसके शासनकाल मे 1773 ई० मे रेगुलेटिंग एक्ट आया।

↳ 1774 ई० मे कलकत्ता मे पहली हाईकोर्ट जिसकी न्यायधीश → एलिजा इम्पेथी

↳ 15 जनवरी 1784 ई० मे विलियम जॉन्स ने एशियाटिक सोसायटी की स्थापना की।

↳ 1779 ई० मे आगस्टस हिक्की ने भारत का पहला समाचार पत्र "बंगाल गजट" प्रकाशित किया।

↳ पिट्स इंडिया एक्ट 1785 ई० मे आया।

कार्नवालिस → भारत मे पुलिस सेवा व सिविल सेवा का जनक

↳ 1793 ई० मे बंगाल मे स्थायी बंदोबस्त लागू किया।

↳ 18 मार्च 1792 ई० मे श्रीरंगपटनम (कर्नाटक) की संधि टीपू सुल्तान व अंग्रेजो के बीच हुई।

वेलेजली → इसे "बंगाल का शेर" कहा जाता है।

→ 1798 ई० मे वेलेजली ने सहायक संधि कानून लागू किया। इसे स्वीकार करने वाला प्रथम शासक हैदराबाद का निजाम था

→ 31 दिसंबर 1802 ई० को मराठा पेशवा बाजीराव II व अंग्रेजो के बीच बसीन की संधि हुई।

→ चौथा आंग्ल मैसूर युद्ध 1799 ई० मे टीपु सुल्तान व अंग्रेजो के बीच हुआ।

→ प्रेस पर प्रतिबंध ~~लगा~~ लगा दिया।

Shiv Jeet 9729504909

Scanned by CamScanner

हेस्टिंगस → 1820 ई० मे थॉमस मुनरो ने मद्रास मे रैयतवाड़ी बंदोबस्त लागू किया।

विलियम बैंटिक → भारत का पहला गवर्नर जनरल

→ 1829 ई० मे राजाराम मोहन राय के साथ मिलकर सती प्रथा को बंद किया।

→ 1835 ई० मे कलकता मेडिकल कॉलेज की स्थापना।

→ इसे अंग्रेजी शिक्षा का जनक कहा जाता है।

डलहौजी → इसे भारत का आधुनिक निर्माता कहा जाता है,

→ इसी के शासनकाल मे 1853 ई० में भारत मे पहली रेलगाड़ी मुंबई से ठाणे के बीच चली।

→ भारत की पहली संचार सेवा आगरा से कलकता शुरू की

→ 1854 ई० मे डाकघर अधिनियम के तहत डाक टिकटों की शुरुआत

→ सिविल सेवा के लिए प्रतियोगी परीक्षा का प्रारंभ किया।

→ पहले भारतीय IAS → सत्येन्द्रनाथ टैगोर

→ लैप्स नीति/ व्यपगत/ DSP नीति → यह सिद्धांत डलहौजी ने ही दिया। इसके तहत मिलाया गया पहला राज्य 1848 ई० सतारा था बाद मे झांसी, कानपुर व उदयपुर को भी मिलाया।

कैनिंग → इसी के समयकाल मे 1857 ई० की क्रांति हुई।

→ भारत का अंतिम गवर्नर जनरल

→ भारत का पहला वायसराय

Shiv Jeet 9772950909

→वायसराय←

Shiv Jeet

कैनिंग :→ भारत का पहला वायसराय
→ 1856 ई० मे विधवा पुनर्विवाह कानून लागू
→ भारतीय दंड संहिता लागू IPC- Indian Penal Code
→ 1862 ई० मे कलकत्ता, मद्रास व बंबई मे हाइकोर्ट की स्थापना

मेयो :- अजमेर मे मेयो कॉलेज की स्थापना
→ 1872 ई० मे भारत की पहली जनगणना

लिटन → वर्नाक्युलर एक्ट पारित हुआ

रिपन → इसे भारत के उद्धारक की संज्ञा दी जाती है।
→ स्थायी ~~स्वशा~~ स्वशासन प्रणाली की शुरुआत
→ 1881 ई० मे भारत मे नियमित जनगणना शुरू।
→ 1881 ई० मे प्रथम कारखाना अधिनियम

डफरिन → 29 दिसंबर 1885 ई० मे बंबई के गोकुलदास संस्कृत कॉलेज मे A.O ह्यूम ने कांग्रेस की स्थापना की।

कर्जन → 1905 ई० मे बंगाल ~~के~~ का विभाजन किया
→ भारतीय पुरातत्व विभाग की स्थापना
→ भारतीय विश्वविद्यालय एक्ट पारित

हॉर्डिंग → बंगाल का विभाजन रद्द किया गया।
→ 1912 ई० मे भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित की गई।
→ प्रथम विश्वयुद्ध इसी के काल मे हुआ।

चेम्सफोर्ड → 13 अप्रैल 1919 ई० को जलियाँवाला बाग हत्याकांड
→ 1919 ई० रौलेट एक्ट आया जिसे काला कानून भी कहा जाता है।
→ 1920 ई० में असहयोग आंदोलन शुरू

Scanned by CamScanner

रीडिंग → 5 फरवरी 1922 ई० को चौरा-चौरी कांड से असहयोग आंदोलन समाप्त
→ काकोरी कांड 1925 ई० में
→ भारत में सिविल सेवा शुरू

इर्विन → 1928 ई० में साइमन कमिशन भारत आया जिसे व्हाइट कमिशन भी कहा जाता है इसमें सात सदस्य थे।
→ 1930 ई० में प्रथम गोलमेज सम्मेलन
→ 1930 ई० में सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू
→ 5 मार्च 1931 ई० को गांधी-इर्विन समझौता हुआ

वेलिंगटन → भारत सरकार अधिनियम-1935 इसी के समयकाल में आया

लिनलिथगो → 8 अगस्त 1942 ई० को भारत छोड़ो आंदोलन शुरू
→ क्रिप्स मिशन 1942 ई० में भारत आया
→ पहली बार आम चुनाव
→ द्वितीय विश्वयुद्ध इसी के समय हुआ।

माऊंटबेटन → भारत के अंतिम वायसराय
→ स्वतंत्र भारत के पहले गवर्नर जनरल

Note:- स्वतंत्र भारत के पहले व अंतिम भारतीय गवर्नर जनरल → सी राजगोपालाचारी

Shiv Jeet
9729504909

Scanned by CamScanner